राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 | वर्ष: 11 | अंक: 193 | पृष्ट : 08, | नई दिल्ली, सोमवार, 24 जनवरी 2022 | मूल्य: 1.50/-

सबसे लंबा शख्स सपा में शामिल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश चुनाव 2022 में समाजवादी पार्टी को भारत के सबसे लंबे आदमी का साथ मिला है। इस शख्स ने सपा की सदस्यता ली है। अखिलेश और सपा की नीतियों पर भरोसा जताकर राजनीति में कदम रख रहे हैं। सदस्यता लेने के बाद धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने अखिलेश यादव का आभार जताया। साथ ही धर्मेंद्र प्रताप ने अपने जीवन की चुनौतियों के बारे में भी बताया।

भारत के सबसे लंबे कद के व्यक्ति का नाम धर्मेंद्र प्रताप सिंह है। अब धर्मेंद्र समाजवादी पार्टी (सपा) में शामिल हो गए हैं। पार्टी के एक बयान में कहा गया कि प्रतापगढ़ के धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने सपा की नीतियों और अखिलेश यादव के नेतृत्व में भरोसा जताते हुए सपा की सदस्यता हासिल की है।

समाजवादी पार्टी की नीतियों एवं श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व पर आस्था जताते हुए आज प्रतापगढ़ के श्री धर्मेन्द्र प्रताप सिंह ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

मायावती ने सीएम योगी पर साधा सियासी निशाना

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर जमकर निशाना साधा है। सीएम योगी ने अपने गाजियाबाद दौरे पर गरीबों को दिये गए मकानों का ब्योरा देते हुए राज्य

की पिछली सरकारों पर हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि यूपी में पिछली सरकारों में जनता के पैसे से मंत्रियों ने अपने लिए बंगले बनाए। सीएम योगी के इस बयान पर मायावती ने पलटवार किया है।

उन्होंने ट्वीट किया शायद पश्चिमी यूपी की जनता को यह मालूम नहीं है कि गोरखपुर में योगी जी का बना मठ, जहां वो अधिकांश निवास करते हैं, वो कोई बड़े बगंले से कम नहीं है। यदि इस बारे में भी यह बता देते तो बेहतर होता।

इंडिया गेट पर नेताजी की मूर्ति स्थापित

नेताजी की होलोग्राम प्रतिमा का पीएम मोदी ने किया अनावरण

नई दिल्ली/ एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती के मौके पर रविवार शाम इंडिया गेट पर उनकी होलोग्राम प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। पीएम मोदी ने कहा कि ये दुर्भाग्य रहा कि आजादी के बाद देश की संस्कृति और संस्कारों के साथ ही अनेक महान व्यक्तित्वों के योगदान को मिटाने का काम किया गया। आज आजादी के दशकों बाद देश उन गलतियों को डंके की चोट पर सुधार रहा है।

मोदी ने कहा- हमारी सरकार को नेताजी से जुड़ी फाइलों को सार्वजनिक करने का अवसर मिला। नेताजी कुछ ठान लेते थे तो उन्हें कोई ताकत नहीं रोक पाती थी। हमें उनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना है। आजादी के अमृत महोत्सव का संकल्प है कि भारत अपनी पहचान और प्रेरणाओं को पुनर्जीवित करेगा।

प्रतिमा नेताजी को राष्ट्र की कृतज्ञ श्रद्धांजलि है

पीएम मोदी ने कहा कि यह कालखंड ऐतिहासिक है। यह स्थान जहां हम मौजूद हैं, यह भी ऐतिहासिक है। आज हम इंडिया गेट पर अमृत महोत्सव मना रहे हैं। नेताजी की भव्य प्रतिमा डिजिटल स्वरूप में इंडिया गेट पर स्थापित हो रही है। जल्द ही इसकी जगह ग्रेनाइट की विशाल प्रतिमा लगेगी। यह प्रतिमा आजादी के महानायक को कृतज्ञ राष्ट्र की श्रद्धांजलि है।

नेताजी के जीवन से ली गई आपदा प्रबंधन पुरस्कार की प्रेरणा प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले साल से देश ने नेताजी की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाना शुरू किया। आज पराक्रम दिवस पर आपदा प्रबंधन पुरस्कार दिए गए। इसकी प्रेरणा नेताजी के जीवन से ली गई है। हमारे देश में आपदा प्रबंधन को लेकर जो रवैया रहा है, उस पर एक कहावत है। जब प्यास लगे तब कुआं खोदना। मैं काशी क्षेत्र से आता हूं। वहां भी एक कहावत है। जब भोज आ जाए तब कोहड़े की सब्जी उगाना।

नेताजी की प्रतिमा देश की आने वाली पीढ़ियों को पराक्रम, देशभक्ति और बलिदान की प्रेरणा देगी: अमित शाह

अमित शाह ने कहा कि नेताजी की प्रतिमा लगाने का फैसला पीएम ने किया। आज करोड़ों लोगों के मन को शांति मिलेगी। शाह ने कहा कि चलो दिल्ली का नारा आज भी युवाओं को चेतना प्रदान करता है। उनका पूरा व्यक्तित्व आने वाले दिनों में हम देखेंगे कि कई युवा प्रेरणा लेकर आगे बढ़ेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की होलोग्राम प्रतिमा का अनावरण करने पहुंचे। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद हैं। इस दौरान लोगों को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह 23 जनवरी से शुरू हो गया। पीएम मोदी ने पराक्रम दिवस का ऐतिहासिक फैसला लिया। नेताजी की प्रतिमा लगाने का फैसला पीएम ने किया। आज करोड़ों लोगों के मन को शांति मिलेगी। शाह ने कहा कि चलो दिल्ली का नारा आज भी युवाओं को चेतना प्रदान करता है। उनका पूरा व्यक्तित्व आने वाले दिनों में हम देखेंगे कि कई युवा प्रेरणा लेकर आगे बढ़ेंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नेताजी की 125वीं जयंती पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की भव्य प्रतिमा लगाने का निर्णय मोदी जी ने लिया है। ये प्रतिमा देश की आने वाली पीढ़ियों को पराक्रम, देशभक्ति और बलिदान की प्रेरणा देगी। ये प्रतिमा देश के करोड़ों लोगों के मन के भाव की अभिव्यक्ति होगी। नेताजी की प्रतिमा जब यहां लग जाएगी तो इतिहास को भी अपने प्यारे बेटे को यहां देख कर संतोष की प्राप्ति होगी।

दिल्ली में 1950 के बाद जनवरी में सबसे अधिक वर्षा हुई

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, शनिवार देर रात हुई बारिश के बाद इस साल जनवरी में दिल्ली में कुल 88.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई, जो 1950 के बाद से इस महीने में हुई सबसे अधिक

दिल्ली में रविवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 10.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी के एक अधिकारी ने कहा, ''यह 1950-2022 की अवधि के दौरान जनवरी के महीने में हुई सबसे अधिक बारिश है। एक के बाद एक दो पश्चिमी विक्षोभों के प्रभाव से दिल्ली में 10 जनवरी तक 63 मिलीमीटर बारिश हुई थी।''

आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, इससे पहले राजधानी में 1989 में 79.7 मिलीमीटर और 1953 में 73.7 मिलीमीटर बारिश हुई थी। बारिश के कारण शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में अधिकतम तापमान 14.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम में सामान्य से सात डिग्री कम था। जनवरी के दूसरे सप्ताह से अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहा है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब और अधिक रहा।

'स्काईमेट वेदर' के उपाध्यक्ष (मौसम विज्ञान और जलवायु परिवर्तन) एम पलावत ने बताया कि नौ जनवरी से 19 जनवरी के बीच मुख्य रूप से बादल छाए रहने और बारिश के कारण अधिक समय तक धूप नहीं निकली। उन्होंने बताया कि सात जनवरी से नौ जनवरी के बीच हुई बारिश ने हवा में नमी बढ़ा दी जिसने कम तापमान के बीच कोहरे की स्थिति पैदा हो गई।

उन्होंने कहा, ''कोहरे और निचले बादलों के कारण राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के इलाकों के बड़े हिस्से में 16 जनवरी तक सर्द परिस्थितियां बनी रहीं। 16 जनवरी से एक के बाद एक पश्चिमी विक्षोभ (डब्ल्यूडी) के प्रभाव से दिन का तापमान फिर से गिर गया।''

पलावत ने कहा कि दिल्ली में इस साल जनवरी में छह बार पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव देखा गया, जबकि महीने में तीन से चार बार पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव सामान्य है। उन्होंने कहा, ''दिल्ली में एक जनवरी से नौ जनवरी के बीच तीन बार पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव देखा गया। सोलह जनवरी के बाद से तीन और पश्चिमी विक्षोभ ने राष्ट्रीय राजधानी को प्रभावित किया। इसका हालिया प्रभाव 21 जनवरी को देखा गया।''

मुलाकात विवाद खत्म: मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिले दिग्विजय सिंह, कमलनाथ भी रहे मौजूद

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने मुलाकात की। दिग्विजय सिंह कई दिनों से सीएम से मिलने का समय मांग रहे थे, जिसपर सीएम ने उन्हें आज 11:45 बजे मुलाकात का वक्त दिया था। दिग्विजय सिंह ने सीएम चौहान को बांध डूब प्रभावित क्षेत्रों के किसानों की समस्याओं से अवगत कराया, जिस पर सीएम ने उन्हें पूरे मामले की जांच का आश्वासन दिया। सीएम से मुलाकात के बाद दोनों

पूर्व सीएम वापस लौट गए। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को जनजागरण यात्रा के दौरान सुठालिया एवं टेम परियोजना के अंतर्गत डूब में आने वाले गुना, राजगढ़, विदिशा व भोपाल जिले के प्रभावित किसानों ने अपनी समस्या बताई थी।

देश में चार करोड़ लोगों को गरीबी में धकेला गया:राहुल

नई दिल्ली/ एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने रविवार को भाजपा सरकार पर निशाना साधा। वायनाड से सांसद राहुल ने आरोप लगाया कि देश में चार करोड़ से ज्यादा लोगों को गरीबी में धकेला गया। इस दौरान सिर्फ 'हमारे दो' के लिए विकास किया गया है। राहुल ने ट्विटर के जरिए कहा कि सिर्फ 'हमारे दो' के लिए विकास हो रहा है, जबकि हमारे चार करोड़ भाइयों और बहनों को गरीबी में धकेला गया है।

उन्होंने हैशटैग 'बीजेपी फेल इंडिया' का इस्तेमाल करते हुए कहा कि इन चार करोड़ में से हर एक वास्तविक व्यक्ति है, न कि सिर्फ एक संख्या है। इन चार करोड़ में से हर कोई बेहतर का हकदार है। इन चार करोड़ में से हर कोई भारत है।

'ऑक्सफैम' की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कांग्रेस नेता ने एक ग्राफिक भी पोस्ट किया। इस तस्वीर में आरोप लगाया गया है कि दो शीर्ष उद्योगपतियों की संपत्ति 2021 के दौरान अरबों डॉलर बढ़ी है। इस दौरान 2020 से महामारी के दौरान भारत में चार करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा के नीचे चले गए हैं।

वायनाड से सांसद राहुल ने आरोप लगाया कि देश में चार करोड़ से ज्यादा लोगों को गरीबी में धकेला गया। इस दौरान सिर्फ 'हमारे दो' के लिए विकास किया गया है। राहुल ने ट्विटर के जरिए कहा कि सिर्फ 'हमारे दो' के लिए विकास हो रहा है, जबकि हमारे चार करोड़ भाइयों और बहनों को गरीबी में धकेला गया है।

हिमपात के बाद हिमाचल प्रदेश के शिमला की सड़कों पर पैदल यात्री।

विधानसभा चुनाव से पहले विधायक जितेंद्र वर्मा ने छोड़ी पार्टी, अखिलेश ने सौंपी अहम जिम्मेदारी

नई दिल्ली/ एजेंसी। विधानसभा चुनाव में दल बदलने का दौर जारी है। आगरा में फतेहाबाद विधानसभा सीट से वर्तमान भाजपा विधायक जितेंद्र वर्मा ने पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। जितेंद्र वर्मा सपाई हो गए हैं। विधायक जितेंद्र वर्मा का टिकट कटने के बाद रविवार को वह साइकिल पर सवार हो गए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव को इस्तीफा भेजने के बाद लखनऊ में उन्होंने सपा की सदस्यता ग्रहण की। सपा ने जितेंद्र वर्मा को आगरा का जिलाध्यक्ष बनाया है। जितेंद्र वर्मा निषाद समाज से आते हैं। पूर्व में सपा में शामिल रहे वर्मा 2017 में भाजपा के टिकट पर फतेहाबाद सीट से जीते थे। इस बार उनका टिकट कट गया था। भाजपा ने इस बार फतेहाबाद से छोटेलाल वर्मा को टिकट दिया है।

समीकरण साध रही भाजपा

छोटेलाल वर्मा दो बार विधायक रह चुके हैं। वह लंबे समय से पार्टी के साथ जुड़े हुए हैं। ग्रामीण विधानसभा सीट पर बदलाव की संभावना जताई जा रही थी, लेकिन फतेहाबाद पर भी पार्टी ने परिवर्तन करके संदेश दिया कि वह जिताऊ उम्मीदवारों को ही टिकट देगी।

सपा में जाना मेरी बड़ी भूल थी-अंजुला माहौर

हाथरस- भारतीय जनता पार्टी द्वारा विधानसभा चुनाव 2022 के लिए हाथरस सदर विधानसभा सीट से घोषित की गई प्रत्याशी, आगरा की पूर्व मेयर एवं भाजपा की प्रदेश मंत्री श्रीमती अंजुला माहौर ने प्रत्याशी घोषित होने के बाद हाथरस पहुंच कर ऐलान किया है कि मैं यही हाथरस में रहकर ही हाथरस की जनता की सेवा करूंगी।

हाथरस विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी एवं पूर्व मेयर भाजपा की प्रदेश मंत्री श्रीमती अंजुला माहौर ने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी है और पार्टी नेतृत्व द्वारा मुझ जैसे छोटे कार्यकर्ता को सम्मान देकर प्रत्याशी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि मैं हाथरस में ही रहकर हाथरस की जनता, भाजपा कार्यकर्ताओं व नेताओं के साथ रहकर व संपर्क कर जनसेवा करूंगी और भाजपा नेतृत्व की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगी। सवाल के प्रश्न में उन्होंने कहा कि जिन कार्यकर्ताओं में असंतोष है तो मैं उन बड़े कार्यकर्ताओं के पैर छूऊंगी और छोटे कार्यकर्ताओं को मना लूंगी। उन्होंने कहा कि सकारात्मक रूप से सभी कार्यकर्ताओं, हाथरस की जनता का मुझे आशीर्वाद मिलेगा और मुझे सेवा करने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि मेरे ऊपर परिवार का बंधन नहीं है। मेरे बच्चे अपने आप में सक्षम हैं और मैं पूर्ण रुप से यहीं पर रहकर जनता की सेवा करूंगी। भाजपा प्रत्याशी श्रीमती अंजुला माहौर ने कहा कि मैं वादा करती हूं कि हाथरस में ही रहूंगी और शीघ्र ही घर खरीदने जा रही हूं और यही पर जनता के बीच में रहूंगी और मैं यहां की जनता के लिए वचनबद्ध रहूंगी।

मोदी-योगी हैं सुरक्षा, समृद्धि, सुशासन की गारंटी: मुख्तार अब्बास नकवी

नई दिल्ली/ एजेंसी। वरिष्ठ भाजपा नेता, केंद्रीय मंत्री एवं उपनेता, राज्यसभा, श्री मुख्तार अब्बास नकवी ने आज यहाँ कहा कि उत्तर प्रदेश में 'एम-वाई' फैक्टर मोदी-योगी हैं जो राज्य और लोगों की सुरक्षा, समृद्धि, सुशासन की गारंटी हैं।

आज रामपुर (यूपी) में गांव दनियापुर और शंकरपुर में 'चौपाल पर चर्चा' के दौरान श्री नकवी ने कहा कि इस 'एम-वाई' फैक्टर ने उत्तर प्रदेश में 'तुष्टीकरण के सियासी छल' को 'समावेशी विकास के राष्ट्रवादी बल' से ध्वस्त किया है।

इस अवसर पर श्री नकवी ने भाजपा पन्ना प्रमुखों, बूथ प्रमुखों, किसानों, ग्रामवासियों से भेंट की।

श्री नकवी ने कहा कि इसी एम-वाई फैक्टर से श्री बी - बलवाई, बाहुबली, बेईमानी का ब्रदरहुड बेचैन है और यह ब्रदरहुड चाहता है कि सत्ता की सुरक्षा से प्रदेश की सुरक्षा को बंधक बनायें। पिछली सरकार के बलवाईयों, बाहुबलियों, बेईमानों के जुल्म और

जुर्म के जख्म आज भी उत्तर प्रदेश के लोगों के दिलो दिमाग में ताज़ा हैं।

श्री नकवी ने कहा कि पिछले पांच सालों में इसी एम-वाई फैक्टर ने बलवाईओं और बाहुबलियों की बकैती से उत्तर प्रदेश के लोगों को मुक्ति दिलाई है। यही एम-वाई फैक्टर सुरक्षा के साथ समावेशी समृद्धि, उत्तर प्रदेश के लोगों के विकास और विश्वास की गारंटी बना है। जिसे किसी भी हाल में कमजोर नहीं पड़ने दिया जायेगा।

श्री नकवी ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज दंगे और दबंगों से मुक्त, सुरक्षा-सुशासन से युक्त है। कपट और करप्शन की विरासत और दंगों और दबंगों की सियासत पर मोदी और योगी युग ने विराम लगा दिया है। यह चुनाव एक बार फिर श्री बी - बलवाई, बाहुबली, बेईमानी ब्रदरहुड के मंसूबों पर पूर्ण विराम लगाएगा।

श्री नकवी ने कहा कि कांग्रेस जो कभी मुल्क की पार्टी थी आज मोहल्ले की महंगी हो गई है। इसका प्रमुख कारण है सामंती सनक से भरपूर नकारात्मक सियासत। आज कांग्रेस में टिकट लेने वालों से ज्यादा टिकट वापसी वालों की लाइन लगी है।

श्री नकवी ने कहा कि मोदी-योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश में पिछले पांच वर्षों में कानून व्यवस्था, बेहतर सड़क एवं अन्य जरुरी इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, उद्योग-धंधे, स्वास्थ्य के क्षेत्र में रिकॉर्ड काम किये हैं। कोरोना महामारी की चुनौतियों से राज्य मजबूती से लड़ा है। करोड़ों लोगों का टीकाकरण हुआ है। जहाँ 2017 से पहले सिर्फ 15 मेडिकल कॉलेज थे वहीँ अब इनकी संख्या 59 हो गई है। 2017 से पहले राज्य में 2 अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे थे वहीँ अब 5 अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे हैं। मेट्रो रेल की सुविधा जो 2017 से पहले सिर्फ 2 शहरों में थी अब 5 शहरों में हैं और 5 अन्य शहरों में मेट्रो रेल का काम जारी है।

श्री नकवी ने कहा कि जहाँ 2017 से पहले राज्य में कोई एम्स अस्पताल नहीं था, वहीँ अब रायबरेली एवं गोरखपुर में एम्स स्थापित किये गए हैं। जहाँ 2012 से 2017 के बीच गन्ना किसानों को 95 हजार करोड़ रूपए का भुगतान किया गया वहीँ 2017 के बाद से अभी तक रिकॉर्ड 1 लाख 50 हजार करोड़ रूपए का भुगतान गन्ना किसानों को किया गया है। राज्य के गांवों में भी 24 घंटे बिजली की आपूर्ति हो रही है। 2 करोड़ 55 लाख से ज्यादा किसानों को किसान सम्मान निधि का लाभ दिया गया है।

सार समाचार

अमेरिका-कनाडा सीमा पर गिरफ्तार महिला का हाथ आंशिक रूप से काटना पड़ेगा

न्यूयार्क। अमेरिका में अवैध रूप से रहने वाले और अमेरिका-कनाडा सीमा से गिरफ्तार किये गए सात में से दो भारतीय, 'फ्रॉस्टबाइट' (बेहद ठंड) के कारण गंभीर रूप से घायल हैं और उनमें से एक महिला का हाथ आंशिक रूप से काटना पड़ेगा। अदालत में पेश किये गए एक दस्तावेज से यह जानकारी सामने आई। अमेरिका मिनेसोटा की एक अदालत में बृहस्पतिवार को 47 वर्षीय अमेरिकी नागरिक स्टीव शैंड के विरुद्ध एक आपराधिक याचिका दायर की गई थी। शैंड पर मानव तस्करी करने का आरोप है। शैंड को 19 जनवरी को अमेरिका-कनाडा सीमा पर दो भारतीयों को सीमापार पहुंचाने के लिए गिरफ्तार किया गया था जो अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे थे। शिकायत दस्तावेज में उक्त दो भारतीय नागरिकों की पहचान 'एस पी' और 'वाई पी' के रूप में की गई है। शिकायत में यह भी कहा गया कि शैंड को गिरफ्तार किये जाने के दौरान पांच भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया था जो अमेरिका में अवैध रूप से निवास कर रहे थे। इस बीच, दस्तावेज में यह भी सामने आया कि पिछले एक महीने में अमेरिका-कनाडा सीमा पर मानव तस्करी की तीन अलग-अलग घटनाएं हुई, जहां अधिकारियों ने इस सप्ताह सात भारतीयों को गिरफ्तार किया था और चार अन्य के शव बरामद किये। तस्करी की उक्त घटनाएं 12 जनवरी 2022 और पिछले साल 12 दिसंबर तथा 22 दिसंबर को हुई।

सिंगापुर में हुई ओमीक्रोन से पहली मौत

सिंगापुर। सिंगापुर में शनिवार को कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप से मौत का पहला मामला सामने आया है। मीडिया में आयी खबरों में इसकी जानकारी दी गयी है। संक्रमण से 92 साल की महिला की मौत हुयी है। महिला का टीकाकरण नहीं हुआ था। चैनल न्यूज एशिया ने अपनी खबर में बताया कि महिला की 20 जनवरी को मौत हुयी। दस दिन पहले परिवार के एक सदस्य के संपर्क में आने के बाद वह संक्रमित पाई गई थी। स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है, जांच करने पर, डॉक्टरों ने निष्कर्ष निकाला है कि उसकी मौत ओमीक्रोन से हुयी है। मंत्रालय ने कहा कि महिला का टीकाकरण नहीं हुआ था और उसका कोई मेडिकल इतिहास नहीं था। इस बीच, सिंगापुर में शुक्रवार को कोविड के 3,155 नए मामले सामने आए, जिसके बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़ कर 307,813 हो गयी। वहीं, देश में कोविड-19 से मरने वालों की संख्या 846 हो गई है।

चीन में ओलंपिक खिलाड़ियों के साथ हो रही बेईज्जती, कोरोना टेस्ट के लिए प्राइवेट पार्ट से लिया जा रहा नमूना

बीजिंग। दुनिया में कोरोना महमारी तेजी से फैलने के लिए चीन को जिम्मेदार माना जा रहा है। वुहान से फैला यह वायरस अब पूरे देश में फैल चुका है। वायरस चीन से फैला है या नहीं इस बात को तो यह देश कभी नहीं मानेगा लेकिन पूरी दुनिया इसी देश पर महामारी के फैलने का टीकरा फोड़ रही है। वैक्सीन के आने के बाद भी कोरोना के नया संक्रमण आते जा रहा है। डेल्टा के बाद अब ओमिक्रोन वेरिएंट के आने से कई लोगों की मौत हो गई है। चीन में कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रोन के आने के बाद से काफी तबाही मच गई है। हाल के दिनों में कोरोना के मामलों में काफी इजाफा हुआ है। इस बीच चीन की राजधानी बीजिंग में शीतकालीन ओलपिंक शुरू होने वाले है और चीन खिलाड़ियों और एथलीटों के साथ काफी सख्ती से पेश आ रही है। बताया जा रहा है कि, बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक से पहले चीन खिलाड़ियों और एथलीटों का कोरोना टेस्ट कराएगा लेकिन इसमें सबसे शर्मनाक बात यह है कि, खिलाड़ियों का कोरोना टेस्ट करने के लिए सैंपल उनके प्राइवेट पार्ट से लिया जा रहा है। पिछले साल भी चीन ने एनल स्वैब टेस्ट किया था जिससे वह काफी विवादों में आ गया था। अब जब ओलंपिक के लिए खिलाड़ी आए है तो उन्हें इस शर्मनाक टेस्ट से गुजरना पड़ेगा। चीन इस विवादित टेस्ट को काफी सुरक्षित और सही तरीका बता रहा है।

ऐसे होता है एनल टेस्ट

चीन में कोरोना का एनल टेस्ट काफी विवादित है। इसमें कोरोना से संक्रमित इंसान के प्राइवेट पार्ट के 5 सेंटीमीटर अंदर तक टेस्टिंग किट को घुसाया जाता है। जांच से पहले स्वेब किट को तोड़ दिया जाता है। इससे पहले भी चीन ऐसे टेस्ट के लिए खबरों में बना था जिससे काफी विवाद हुआ था। जानकारी के लिए बता दें कि, चीन में 4 फरवरी से शीतकालीन ओलंपिक है और इससे पहले कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे है। चीन अपनी सुरक्षा के लिए एनल स्वैब टेस्ट कर रहा है और पूरे बीजिंग में लॉकडाउन लागू कर दिया है। लोग राशन तक लेने के लिए बाहर नहीं निकल सकते है।

तुर्की के राष्ट्रपति का अपमान करने के आरोप में पत्रकार को जेल भेजा

अंकारा । तुर्की की अदालत ने देश के राष्ट्रपति का अपमान करने के आरोप में जानी-मानी पत्रकार सेडेफ कबास को जेल भेजा है। कबास को इस्तांबुल में गिरफ्तार किया गया था। हैरत की बात हैं कि तुर्की की अदालत ने मुकदमा चलाए बिना ही उन्हें जेल भेजने का आदेश दे दिया।कबास पर आरोप है, कि उन्होंने विपक्ष से जुड़े लाइव कार्यक्रम के दौरान एक कहावत के द्वारा तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन को टारगेट किया था।

तुर्की में राष्ट्रपति का अपमान करने पर एक से चार साल की जेल की सजा का प्रावधान है। कबास ने कहा था,एक बहुत प्रसिद्ध कहावत है, कि जिसके सिर पर ताज होता है, वह समझदार हो जाता है। लेकिन जैसा कि हम देख रहे हैं यह सच नहीं है।उन्होंने कहा कि एक बैल के महल में घुसने से वह राजा नहीं बन जाता बल्कि महल खेत बन जाता है। कबास ने बाद में कहावत को ट्विटर पर भी पोस्ट किया था।

एर्दोगन के मुख्य प्रवक्ता फहार्टिन अल्टुन ने महिला पत्रकार की टिप्पणियों को 'गैर-जिम्मेदाराना' बताया। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, 'एक तथाकथित पत्रकार एक टीवी चैनल पर हमारे राष्ट्रपति का खुले तौर पर अपमान कर रहा है, जिसका सिवाय नफरत फैलाने के कोई दूसरा लक्ष्य नहीं है।अपने बयान में कबास ने राष्ट्रपति का अपमान करने के इरादे से इनकार किया।वहीं एडिटर ने कबास की गिरफ्तारी का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि एक कहावत के लिए रात को 2 बजे उनकी गिरफ्तारी अस्वीकार्य है।यह रवैया पत्रकारों, मीडिया और समाज को डराने का एक प्रयास है। अगस्त 2014 में देश के पहले सीधे-निर्वाचित राष्ट्रपति बनने से पहले एर्दोगन 11 साल तक तुर्की के प्रधानमंत्री के पद पर रहे। राष्ट्रपति बनने के बाद से हजारों लोगों पर एर्दोगन का अपमान करने का आरोप लगाया गया है। 2020 में आरोपों से संबंधित 31,000 से अधिक जांचें दर्ज की गई।

पिछले महीने खबर आई थी कि तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एदोर्गान को जान से मारने की कोशिश की गई है। तुर्की की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने एक कार से बम बरामद किया था जिसे देश के दक्षिणीपूर्वी प्रांत सिर्त में एदोर्गान के काफिले में तैनात किया जाना था। सिर्त में एक कार्यक्रम में एदोर्गान को शामिल होना था। जानकारी के मुताबिक बम को पुलिस की सुरक्षा कार के नीचे लगाया गया था। तुर्की की पुलिस ने यह खुलासा ऐसे समय पर किया जब देश की अर्थ?यवस?था रसातल में पहुंच गई है और एदोर्गान आलोचना के घेरे में हैं। तुर्की की पुलिस के बम डिस्पोजल दस्ते ने बम को नष्?ट कर दिया था और इसे फरेंसिक एव?सपर्ट के पास जांच के लिए भेज दिया गया था।

यमन में एक हिरासत केन्द्र हवाई हमले के बाद मलबे के ढ़ेर में बदल गया।

रूस ने यूक्रेन तनाव के बीच अपनाया कड़ा रूख

मास्को, (एपी) यूक्रेन की सीमा पर हजारों सैनिक तैनात कर चुके रूस ने शीतयुद्ध के बाद से अपने एवं पश्चिमी शक्तियों के बीच के सबसे गंभीर सुरक्षा संकट के मध्य अपने अगले कदम को लेकर अमेरिका एवं उसके सहयोगियों को दुविधा में डाल दिया है। यूक्रेन पर आसन्न हमले की आशंका के बीच रूस ने इस क्षेत्र में और सैन्याभ्यास करने की घोषणा कर अपना रूख कड़ा कर लिया है। उसने कैरिबियाई क्षेत्र में सैन्य तैनाती की संभावना से भी इनकार किया है और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पश्चिमी शक्तियों के विरोधी नेताओं से संपर्क साधा है।

सैन्य जोर आजमाइश शीतयुद्ध के समापन के बाद नाटो के दशकों से चल रहे विस्तार को थामने की क्रेमलिन की कोशिश का दशार्ता है। अमेरिका के साथ वार्ता के दौरान रूस ने इस बात की कानूनी गारंटी की मांग की कि नाटो यूक्रेन या सोवियत संघ का हिस्सा रहे किसी भी अन्य देश को अपना हिस्सा नहीं बनाएगा तथा वहां हथियार तैनात नहीं करेगा। वह यह भी चाहता है कि नाटो मध्य एवं पूर्व यूरोप के उन देशों से अपने सैन्यबल को वापस बुलाए जो 1990 के दशक में उससे जुड़े थे। पुतिन ने यूक्रेन एवं अन्य देशों में नाटो की हथियारों की तैनाती को रूस के लिए ह्यखतरे की घंटीह्न करार दिया एवं चेतावनी दी कि यदि रूस की मांगें नहीं मानी जाती है तो वह अनिर्धारित ह्यसैन्य-तकनीकी उपायोंह्न का आदेश देंगे।

न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री ने रद्द की अपनी शादी, कोरोना वायरस के प्रतिबंधों के चलते लिया फैसला

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड)। (एजेंसी)

न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जैसिंडा आर्डेन ने बढ़ते कोरोना वायरस के कारण अपनी शादी रद्द कर दी है। राष्ट्र ने कोविड -19 के नये वैरियंट ओमीक्रोन के प्रसार को धीमा करने के लिए नए प्रतिबंध लगाए हैं। इस पाबंदियों के अनुसार ही पीएम ने भी अपनी शादी डाल दी है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'मेरी शादी आगे बढ़ रही है।' उन्होंने कहा कि उन्हें इस तरह के परिदृश्य में फंसने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए खेद है। अर्डर्न ने अपनी शादी की तारीख का खुलासा नहीं किया था, लेकिन अफवाह थी कि यह हाल ही में होने वाली थी। पत्रकारों द्वारा यह पूछे जाने पर कि लंबे समय से साथी और फिशिंग-शो होस्ट क्लार्क गेफोर्ड से अपनी शादी को रद्द करने के बारे में उन्हें कैसा लगा, अर्डर्न ने जवाब दिया ₹ऐसा ही जीवन है।' न्यूजीलैंड में शादी समारोह में शामिल होने ऑकलैंड गए एक ही परिवार के नौ लोगों के कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमित पाए जाने के बाद नए कोविड-19 प्रतिबंध लगाने का फैसला किया गया है। देश की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न ने रविवार को यह घोषणा की। न्यूजीलैंड में कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए रंग आधारित नीति के तहत सोमवार से ' रेड सेटिंग' प्रभावी होगी जिसके तहत मास्क पहनने की जरूरत और समागम में लोगों की संख्या सीमित करने जैसे उपाय शामिल हैं।

अर्डर्न ने जोर देकर कहा कि 'लाल का अभिप्राय लॉकडाउन नहीं है'। उन्होंने कहा कि कारोबार खुले रह सकते हैं और लोगों को अपने मित्रों और परिवारवालों के साथ मिलने-जुलने तथा देश में घूमने की स्वतंत्रता होगी। अर्डर्न ने वेलिंगटन में संवाददाताओं से कहा, 'हमारी योजना डेल्टा स्वरूप की तरह शुरूआती दौर में ही ओमीक्रोन के संक्रमण को रोकने की है, जिसमें हम तेजी से जांच करेंगे, संपर्क में आए लोगों का पता लगाएंगे, उन्हें अलग करेंगे ताकि ओमीक्रोन के प्रसार को धीमा किया जा सके।' न्यूजीलैंड उन कुछ देशों में शामिल हैं, जहां पर ओमीक्रोन ने महामारी का स्वरूप नहीं लिया है, लेकिन अर्डर्न ने स्वीकार किया कि इस स्वरूप के अधिक संक्रामक होने की वजह से प्रसार को रोकना मुश्किल है।

शोधकताओं ने ओमिक्रॉन के खास म्यूटेशन की पहचान की

उद्देश्य वायरस को पहचानना और बंधने की प्रक्रिया को रोकना

न्यूयॉर्क (एजेंसी)

भारतीय मूल के शोधकताओं की एक टीम ने ओमिक्रॉन के खास तरह के म्यूटेशन की पहचान की है, जो ओमिक्रॉन से संक्रमण की उच्च दर का कारण बन रहे हैं। नतीजा यह समझने में मदद करता है कि कोविड-19 का नया स्वरूप मानव शरीर में पहले से मौजूद एंटीबॉडी या वैक्सीनेशन से या स्वाभाविक रूप से कैसे बचा सकता है। यूएस में यूनिवर्सिटी ऑफ मिसौरी के कमलेंद्र सिंह ने कहा, हम जानते हैं कि वायरस समय के साथ विकसित होते हैं और म्यूटेशन प्राप्त करते हैं, इसलिए जब हमने ओमिक्रॉन वेरिएंट के बारे में सुना, तो हमने इसके विशिष्ट म्यूटेशन की पहचान करना चाहा।

जर्नल ऑफ ऑटोइम्यूनिटी में प्रकाशित शोध के निष्कर्ष में टीम ने दक्षिण अफ्रीका, बोत्सवाना और अमेरिका सहित दुनियाभर से प्राप्त ओमिक्रॉन के नमूनों के प्रोटीन अनुक्रमों का विश्लेषण किया। टीम ने ओमिक्रॉन के लिए विशिष्ट 46 अत्यधिक प्रचलित म्यूटेशन की पहचान की, जिसमें वायरस के स्पाइक मानव शरीर के प्रोटीन वाले उस हिस्से में पाए गए, जहां एंटीबॉडी संक्रमण को रोकने के लिए वायरस पर असर डालती है। सिंह ने कहा, एंटीबॉडी का उद्देश्य वायरस को पहचानना और बंधने की प्रक्रिया को रोकना है, जिससे संक्रमण रुक जाता है।₹उन्होंने कहा, ₹हालांकि, हमने पाया कि ओमिक्रॉन वेरिएंट में कई बार म्यूटेशन होना ठीक वही स्थित है, जैसे एंटीबॉडी को बांधना। इसलिए हमने दिखाया है कि वायरस कैसे विकसित होकर संभावित रूप से बच सकता है या एंटीबॉडी से बच सकता है, और इसलिए इतने सारे लोग संक्रमित हो रहे हैं।

नेताजी सिंगापुर के इतिहास का उतना ही अहम हिस्सा हैं, जितना भारत के इतिहास में

सिंगापुर (एजेंसी)

सिंगापुर के प्रसिद्ध लेखक असद लतीफ ने स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर कहा कि नेताजी सिंगापुर के इतिहास का उतना ही अहम हिस्सा हैं, जितना भारत के इतिहास में उनका योगदान है। लतीफ ने कहा, बोस द्वारा भारतीय स्वतंत्रता लीग और आजाद हिंद फौज (आईएनए) के पुनरोद्धार से वास्तव में मलया (दक्षिण एशिया के मलय प्रायद्वीप में ऐतिहासिक राजनीतिक संगठन) लोक राजनीति का आगमन हुआ क्योंकि उन्होंने मजदूरों के साथ काम किया और उनमें सम्मान के दुलर्भ भाव को जगाया। लतीफ ने कहा, उन्होंने भारत और सिंगापुर दोनों जगह साम्राज्यवादी पकड़ को नष्ट किया। रैफल्स (सिंगापुर के संस्थापक सर स्टैनफोर्ड रैफल्स) के विपरीत नेताजी भारत की तरह सिंगापुर के इतिहास का भी हिस्सा हैं।'

'नेताजी इन द इंडियन मेकिंग ऑफ सिंगापुर' किताब पर प्रस्तुति देकर लतीफ ने कहा, 'रोचक तथ्य है कि 1867 तक भारत सरकार के बंदरगाहों में कलकत्ता के बाद दूसरा स्थान सिंगापुर बंदरगाह का था। संक्षेप में कहें,तब सिंगापुर औपनिवेशिक भारत का विस्तार था।' उन्होंने कहा, 'सिंगापुर के निर्माण में भारतीयों का प्रभाव अमिट है।' लतीफ ने रेखांकित किया कि ब्रिटिश राज ने औपनिवेशिक सिंगापुर का निर्माण लंदन के बजाय कोलकाता से किया था। कोलकाता में जन्मीं और सिंगापुर में रह रहीं लेखिका नीलांजना सेनगुप्ता ने भी नेताजी की सिंगापुर में भूमिका पर प्रकाश डालाकर रेखांकित किया कि नेताजी ने सिंगापुर में प्रभावशाली चेट्टियार समुदाय के दुर्गा पूजा के निमंत्रण को अस्वीकार कर कहा था कि वह इसतरह के धार्मिक स्थल में प्रवेश नहीं कर सकते, जहां न केवल अन्य धर्मों के भारतीयों को प्रवेश नहीं दिया जाता, बल्कि हिंदुओं की कथित निम्न जातियों के प्रवेश पर भी रोक है।

शिनजियांग में उइगरों के चीनी दमन का समर्थन कर रहा पाकिस्तान, रिपोर्ट में किया गया दावा

बीजिंग (एजेंसी)

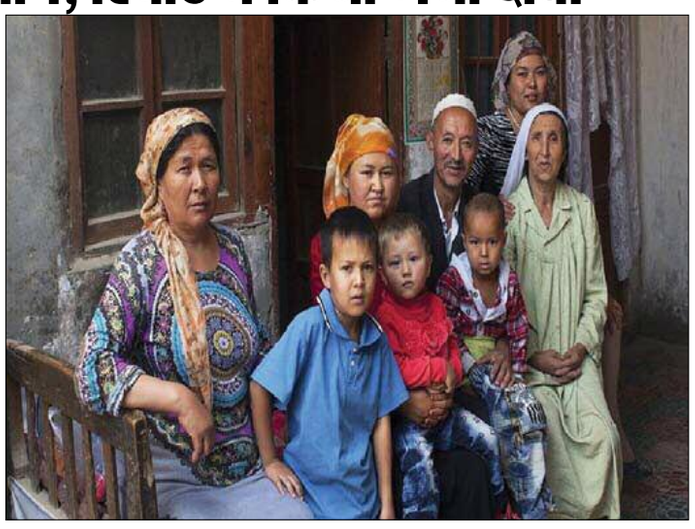

पाकिस्तान कभी भी मुस्लिम समुदायों के खिलाफ अत्याचार के लिए अन्य देशों की निंदा करने से नहीं कतराता है, हालांकि वो शिनजियांग में उइगर मुसलमानों के दमन में चीन की मदद कर रहा है। कनाडा स्थित थिंक टैंक इंटरनेशनल फोरम फॉर राइट्स एंड सिक्योरिटी ने अपने रिपोर्ट में दावा किया है कि चीन की आर्थिक वृद्धि और विशेष रूप से चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) में अपने निवेश के कारण उसे शिनजियांग प्रांत में उइगरों के उत्पीड़न समेत मानवाधिकार उल्लंघन के अन्य मामलों को छुपाने का अभूतपूर्व मौका दिया है।

26 ब्लैक लिस्टेड देशों में पाकिस्तान

चीनी अधिकारियों ने पाकिस्तान को 26 ब्लैक लिस्टेड देशों की शिनजियांग उइघुर स्वायत्त क्षेत्र (अफ) सूची में शामिल किया था। ब्लैकलिस्टिंग का मतलब है कि इन ब्लैक लिस्टेड देशों में किसी के साथ संपर्क या दौरा या पारिवारिक संबंध या कोई संचार करने वालों पर भरोसा नहीं किया जाना चाहिए और वे एक्सएआर अधिकारियों के निशाने पर आ जाएगा। पाकिस्तानी नागरिकों और उइगरों के बीच वैवाहिक संबंध वर्षों से होते रहे हैं और उनके बीच काराकोरम हाईवे के जरिये व्यापार भी होता रहा है।

वैवाहिक संबंध नहीं होते

पाकिस्तान में एक घटना में, सिकंदर हयात और गुलाम दुरार्नी को उनकी पत्नियों से अलग कर दिया गया था क्योंकि वे उइगर थीं। पत्नियों को एक्सएआर में चीनी अधिकारियों द्वारा हिरासत में लिया गया था, जब वे शिनजियांग गईं। इसके बाद, हयात का बेटा जो एक्सएआर में अपनी मां का समर्थन करने गया था, दो साल तक अपने पिता से नहीं मिल पाया। इसके अलावा, दुरार्नी की पत्नी 2017 से हिरासत में है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में टीटीपी से ज्यादा खतरनाक आईएसआईएस

पिछले साल अगस्त में काबुल में अफगानिस्तान के कई शहरों में सुरक्षा अधिकारियों पर किए गए थे हमले

पेशावर (एजेंसी)

अफगानिस्तान में सक्रिय इस्लामिक स्टेट खुरासान (आईएसआईएस के) ने प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की तुलना में पाकिस्तान के अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा की शांति और अखंडता के लिए कहीं अधिक बड़ा खतरा पैदा किया है। प्रांतीय पुलिस प्रमुख ने यह बात कही है। पिछले साल अगस्त में काबुल में तालिबान के सत्ता में आने के बाद अफगानिस्तान के कई शहरों में हमले तेज करने वाले आईएस-के. ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पाकिस्तान के सुरक्षा अधिकारियों पर आतंकवादी हमलों को भी अंजाम दिया था। खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस प्रमुख मोअज्जम जाह अंसारी ने कहा कि हाल के दिनों में आईएस-के. ने इस प्रांत की शांति और सुरक्षा को टीटीपी की तुलना में अधिक खतरा पैदा किया है। पिछले साल अक्टूबर में आईएस-के. ने प्रांतीय राजधानी में सरदार सतनाम सिंह (खालसा) नामक एक प्रसिद्ध सिख हकीम की हत्या की जिम्मेदारी भी ली थी। वह यहां यूनानी चिकित्सा पद्धति से लोगों का इलाज किया करते थे। अक्टूबर और नवंबर के महीनों में प्रांत के विभिन्न हिस्सों में कम से कम तीन पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी गई थी। टीटीपी को पाकिस्तानी तालिबान भी कहा जाता है, जो अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा पर सक्रिय एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन है। यह एक दशक से अधिक समय में पाकिस्तान में कई हमलों को अंजाम दे चुका है, जिनमें हजारों लोगों की मौत हुई है। यह कथित तौर पर अफगानिस्तान की सरजमीं का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवादी हमलों की साजिश रचने के लिए करता है। टीटीपी के आतंकी पाकिस्तानी सेना पर हमला कर इमरान सरकार की मुश्किलें बढ़ा सकते हैं। इससे पहले भी इन आतंकियों ने इमरान खान के गृह राज्य खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान समेत कई प्रांतों में आतंक मचाया हुआ

था। पिछले एक महीने से शांति समझौते के कारण टीटीपी के हमले बंद थे।

डॉक्टर ने चाय में अपना स्पर्म डालकर महिला को पिलाया

-ब्रिटेन में एक डॉक्टर की करतूत

लंदन । ब्रिटेन में एक डॉक्टर की करतूत से हर कोई हैरान है। इस डॉक्टर ने कुछ ऐसा किया कि सुनकर किसी को भी शर्म आ जाए। 54 वर्षीय डॉ निकोलस जॉन चैंपमन ने एक महिला को चाय के कप में वीर्य डालकर दे दिया। इस मामले के सामने आने के बाद डॉक्टर को सस्पेंड कर दिया गया। इस मामले को लेकर पीड़ित महिला ने कोर्ट में डॉक्टर के खिलाफ केस किया। हालांकि सुनवाई के बाद कोर्ट ने डॉक्टर को सशर्त जमानत दे दी।54 वर्षीय, डॉ निकोलस जॉन चैंपमन नॉर्थ कैरी हेल्थ सेंटर में पदस्थ था। जिसे इस मामले के सामने आने के बाद सस्पेंड कर दिया। हालांकि इस डॉक्टर ने अपने ऊपर लगे आरोपों का खंडन किया है। इस केस को लेकर सोमरेस्ट में मजिस्ट्रेट के सामने सुनवाई हुई। जहां इस डॉक्टर पर महिला की सहमति लिए बिना अप्रत्यक्ष रूप से सैक्सुल एक्टिविटी को अंजाम देने का आरोप लगा। पीड़ित महिला के वकील ने दोनों मजिस्ट्रेट को बताया कि, महिला ने जब डॉक्टर द्वारा किए ड्रिंक को खत्म किया, तो उसके बाद कप में उसे संदेहास्पद पदार्थ दिखाई दिया। इस बात की शिकायत पुलिस से की गई। 3 दिन बाद जब लैब रिपोर्ट आई तो उसमें इस पदार्थ की पुष्टि डॉक्टर के वीर्य के तौर पर हुई। वहीं इस डॉक्टर के वकील ने आरोपों को निराधार बताया। सुनवाई के बाद साउथ अफ्रीका के रहने वाले इस डॉक्टर को कोर्ट सशर्त जमानत दे दी। जिसमें कहा गया कि वह इस मामले में शामिल किसी भी गवाह से संपर्क नहीं करेगा।

द्वारका में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती मनाई

नई दिल्ली । द्वारका सेक्टर तीन स्थित मधु विहार में नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की 125वीं जयंती सादगी व अनुशासित ढंग से मनाई गई। इस मौके पर पालम व द्वारका के 36 फेडरेशन कॉलोनी के प्रधान, व्यवसायी और स्थानीय लोगों ने नेताजी के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित व दीप प्रज्वलित कर उन्हें नमन किया।

इस अवसर पर उपस्थित प्रधानों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय युवा चेतना मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मधु विहार आरडब्लूए के प्रधान रणबीर सिंह सोलंकी ने कहा की हम प्रत्येक वर्ष नेताजी को स्मरण कर उनके पद चिन्हों पर चलने का प्रयास करते है। देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करना हमारा परम कर्तव्य है। एडोकेट राकेश कुमार ने कहा कि हमे अपने बच्चों को नेताजी जैसे व्यक्तित्व के बारे में सब कुछ बताना चाहिए। आरडब्लूए महासचिव जगदीश नैनवाल ने नेताजी के जीवन

एवं उनके कार्यों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर सुशील तोमर, प्रेम प्रभाकर, सुरेश कुमार, ओमप्रकाश अत्री, सतीश जैन, हरिश्चंद्र राय, सुरेश लाला, अशोक अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र पर लगाया सनसनीखेज आरोप

सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार कर सकती है ईडी

नई दिल्ली । दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को दावा किया है कि ईडी, उनके मंत्री और आप नेता सत्येंद्र को गिरफ्तार कर सकती थी। गिरफ्तारी का दावा करते हुए केजरीवाल ने पंजाब के मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी पर निशाना साधा है।

केजरीवाल ने रविवार को कहा कि उन्हें ये जानकारी उनके सूत्रों ने दी है। एक प्रेस कांफ्रेंस करके उन्होंने ये दावा किया है।

केजरीवाल ने कहा- हमें अपने सूत्रों से पता चला है कि पंजाब चुनाव से पहले आने वाले कुछ दिनों में ईडी सत्येंद्र जैन जी को गिरफ्तार करने वाली है। उनका स्वागत है। सत्येन्द्र जैन के ऊपर पहले भी केंद्र सरकार दो बार रेड करवा चुकी है। उन रेड में उन्हें कुछ नहीं मिला। फिर से वो अगर आना चाहते हैं, तो उनका बहुत-बहुत स्वागत है। चुनाव है, रेड भी होगी, गिरफ्तारियां भी होगी, उसका हमें कोई डर नहीं है। क्योंकि मुझे लगता है, जब आप सच्चाई के रास्ते पर चलते हो, तो ये सार बाधाएं आती हैं।

आगे केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी की सरकार ईडी के साथ-साथ और एजेंसियां भी भेज सकती है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने कभी कुछ गलत नहीं किया है। दिल्ली के साएम ने कहा- हम सभी पर पहले भी छापेमारी हो चुकी है। 21 विधायक गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इस मामले में भी अधिकतम सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार किया जाएगा और फिर कुछ दिनों में जमानत मिल जाएगी। हम गिरफ्तार होने से नहीं डरते।

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के बाद सत्येंद्र जैन ने भी ईडी पर बयान दिया है। उन्होंने पंजाब के लुधियाना में रविवार को कहा कि वे (ईडी) जब चाहे आ जाएं, उनका स्वागत है। इससे पहले भी वे मुझपर दो बार छापा मार चुके हैं लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला था। यह सब राजनीतिक है और पिछली बार भी उन्होंने पंजाब में चुनाव के दौरान किया था। ईडी, सीबीआई सभी का स्वागत है।

गाजियाबाद: गन्ने से भरा ट्रक पलटने के कारण दिल्ली मेरठ मार्ग पर सात किलोमीटर लंबा जाम

गाजियाबाद। गाजियाबाद में बारिश के कारण सड़क पर बने गड्ढे में पहिया पड़ने के कारण गन्ने से भरा ट्रक पलट गया। ट्रक पलटने के कारण दिल्ली मेरठ मार्ग पर जाम लग गया। जाम लगने के कारण चार किलोमीटर तक वाहनों की लंबी लाइन लग गई। ट्रक गन्ने लेकर गाजियाबाद से मेरठ की और जा रहा था। तीन क्रेनों की मदद से ट्रक को सड़क से हटाकर यातायात सुचारू कराया। गन्नों से भरा एक ट्रक रविवार को दिल्ली मेरठ मार्ग से गाजियाबाद से मेरठ की और जा रहा था। बताया जा रहा है कि अधिक गन्नें होने के कारण ट्रक एक सार्डड से झुककर हुआ था। दोपहर 1 बजे के आसपास जब वह दिल्ली मेरठ मार्ग पर एमएम डिग्री कॉलेज के सामने पहुंचा तो ट्रक का पहिया बारिश सड़क पर बने गड्ढे में गिर गया। जिस कारण ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रक पलटने के कारण गन्ने सड़क पर फैल गए। ट्रक सड़क पर इस तरह से पलटा कि गाजियाबाद से मेरठ की और जाने वाले मार्ग पर वाहनों का आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया। ट्रक पलटने से किसी को जान माल की हानि नहीं हुई। चालक ट्रक को सड़क पर छोड़कर फरार हो गया। देखते ही देखते दिल्ली मेरठ मार्ग पर वाहनों की लम्बी लाइन लग गई। सौंदा कट से लेकर मुरादनगर गंगनहर पुल तक वाहनों की लाइन पहुंच गई। सात किलोमीटर लम्बे जाम के कारण कड़कड़ाती ठंड में राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

यूपीटीईटी रविवार को हुई परीक्षा के केन्द्र दिल्ली मेरठ मार्ग पर पड़ने वाले डा. केएन मोदी ,पीबीएएस इंटर कॉलेज व रुकमणी मोदी कॉलेज में था। परीक्षा देने आने वाले परीक्षार्थियों ने अपने अपने वाहन सड़क पर आडे तिरछे खडे कर दिए। जिस कारण दिल्ली मेरठ मार्ग पर मेरठ से गाजियाबाद की और जाने वाले मार्ग पर सुबह से ही जाम लगा रहा। ओवरलोड गन्ने से भरा ट्रक दिल्ली मेरठ मार्ग पर डिग्री कॉलेज के सामने पलट गया। ट्रक पलटने के कारण दिल्ली मेरठ मार्ग पर जाम लग गया। ट्रक को हटाने के लिए पहले एनसीआरटीसी का बड़ी क्रेन बुलाई गई। लेकिन उससे ट्रक नहीं हटा। इसके बाद तीन बड़ी क्रेन बुलाई गई। शाम पांच बजे के आसपास ट्रक को हटाकर यातायात सुचारू कराया गया। यूपीटीईटी परीक्षा होने व दिल्ली मेरठ मार्ग पर गन्ने से भरा ट्रक पलटने के कारण दिल्ली मेरठ मार्ग पर जाम लगने के कारण पुलिस ने मेरठ जाने वाले वाहनों को मेरठ के मोहिउद्दीनपुर व गाजियाबाद जाने वाले वाहनों को गंगनहर पटरी की और डायवर्ड कर दिया। वाहनों को डायवर्ड करने के बाद भी जाम से कोईराहत नहीं मिली। एमएम डिग्री कॉलेज के सामने गन्नों से भरा ट्रक पलट गया।

दो महीने से अलर्ट पर राजधानी दिल्ली पुलिस कमिश्नर

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना ने रविवार को गणतंत्र दिवस की तैयारियों के बारे मीडिया को जानकारी दी। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि गणतंत्र दिवस को लेकर दिल्ली में पिछले 2 महीने से आतंकवाद विरोधी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली हमेशा ही आतंकियों के टारगेट पर रहती है। इसे लेकर हम इस बार भी अलर्ट हैं। शहर में नाकाबंदी, वाहनों की जांच, होटलों और गेस्ट हाउसों की जांच और वैरिफिकेशन की जा रही है। राकेश अस्थाना ने कहा कि हवाई क्षेत्र की सुरक्षा के लिए काउंटर ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। कमिश्नर ने बताया कि इस बार 27,000 से ज्यादा फोर्स लगाई जाएगी, जिनमें दिल्ली पुलिस के कमांडो से लेकर डीसीपी, एसीपी स्तर तक के अधिकारी शामिल हैं। साथ ही केंद्रीय सुरक्षा बलों की 65 कंपनियां भी तैनात रहेंगी। शहर से बाहर जाने वाले रास्ते पर कड़ी निगरानी की जा रही है। दूसरी एजेंसियों की भी मदद ली गई है। इसके साथ ही सोशल मीडिया मॉनिटरिंग से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। दिल्ली पुलिस द्वारा गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनजर 20 जनवरी से ही राजधानी दिल्ली में यूएवी, पैरा-

ग्लाइडर और गर्म हवा के गुब्बारों सहित अन्य उप पारंपरिक हवाई संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह आदेश 20 जनवरी से लागू होगा और 15 फरवरी तक प्रभावी रहेगा। कुछ आपराधिक या असामाजिक तत्वों, आतंकवादियों द्वारा आम जनता, गणमान्य व्यक्तियों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने संबंधी खबरों के बीच यह आदेश जारी किया गया है। दिल्ली पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना द्वारा बीते मंगलवार को जारी आदेश के अनुसार, पैरा-ग्लाइडर, पैरा-मोटर्स, हैंग ग्लाइडर, मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी), मानव रहित हवाई सिस्टम (यूएएस), माइक्रोलाइट विमान, रिमोट संचालित विमान, गर्म हवा के गुब्बारे, क्वाडकॉप्टर या विमान से पैरा-जंपिंग समेत अन्य उप-पारंपरिक हवाई संसाधनों के उपयोग से आम जनता, गणमान्य व्यक्तियों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए खतरा हो सकता है।

आदेश के मुताबिक दिल्ली पुलिस ने पैरा-ग्लाइडर, पैरा-मोटर्स, हैंग ग्लाइडर, यूएवी, यूएएस, बेहद हल्के एयरक्रॉफ्ट, रिमोट से संचालित एयरक्रॉफ्ट, हॉट एयर बैलून, छोटे आकार के एयरक्राफ्ट, क्वाडकॉप्टर या पैरा- जंपिंग जैसे उप पारंपरिक हवाई संसाधनों पर प्रतिबंध लगा दिया है। आदेश में कहा गया है कि 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में इन उड़ानों को संचालित करना दंडनीय होगा।

दर्शकों की संख्या में भी कटौती

बता दें कि, कोविड-19 महामारी के कारण इस साल गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने वालों की सामान्य संख्या में 70 से 80 फीसदी की कमी की जाएगी। इस साल केवल 5,000 से 8,000 लोगों को ही इसमें शामिल होने की अनुमति होगी, लेकिन इसके लिए टीकाकरण करना अनिवार्य होगा। रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने बीते मंगलवार को यह जानकारी दी थी।

15 साल से कम उम्र के बच्चों को परेड में अनुमति नहीं

अधिकारियों ने बताया था कि निर्माण कर्मियों, फ्रंटलाइन वर्कर्स और अन्य लोगों के लिए पहले से सीट आरक्षित होंगी। यह भी बताया गया कि केवल उन्हीं वयस्कों को परेड में शामिल होने की अनुमति दी जाएगी जिन्हें कोरोना वैक्सीन की दोनों डोज लग चुकी हैं। परेड में शामिल होने वाले 15 साल से अधिक उम्र के बच्चों के लिए कोरोना टीके की कम से कम एक खुराक लेना अनिवार्य होगा, जबकि 15 साल से कम उम्र के बच्चों को परेड में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

गणतंत्र दिवस परेड

भारतीय सेना के मार्चिंग दस्ते में नजर आएगा वर्दी व राइफलों का विकास

नई दिल्ली। मेजर जनरल आलोक कक्कड़ ने रविवार को कहा कि बीते दशकों में भारतीय सेना की वर्दी और राइफलें कैसे विकसित हुई हैं इसे इस साल की गणतंत्र दिवस परेड में प्रदर्शित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने पर 'आजादी के अमृत महोत्सव' के तहत गणतंत्र दिवस परेड-2022 में भारतीय सेना की तीन मार्चिंग टुकड़ी पिछले दशकों की वर्दी पहनेगी और राइफल लेकर कदमताल करेंगी, जबकि एक दस्ता नई युद्धक वर्दी पहनेगा और नवीनतम टेवोर राइफल लेकर राजपथ पर कदमताल करता दिखेगा।

उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस साल गणतंत्र दिवस परेड में भारतीय सेना के छह मार्चिंग दस्ते हिस्सा लेंगे।

उन्होंने कहा कि हर मार्चिंग दस्ते में आम तौर पर रहने वाले 144 सैनिकों की जगह इस बार 96 सैनिक होंगे। ऐसा कोविड-19 प्रोटोकॉल का सख्त अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया है।

कक्कड़ ने कहा कि राजपूत रेजिमेंट के सैनिकों की भारतीय सेना की पहली मार्चिंग टुकड़ी 1950 के दशक की वर्दी पहनेगी और .303 राइफलें लेकर चलेगी।

असम रेजिमेंट के सैनिकों की दूसरी मार्चिंग टुकड़ी, भारतीय सेना की 1960 के दशक की वर्दी पहनेगी और .303 राइफलें लेकर चलेगी।

उन्होंने बताया कि सेना की 1970 के दशक की वर्दी जम्मू और कश्मीर लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट के सैनिकों द्वारा पहनी जाएगी, जो तीसरी मार्चिंग टुकड़ी का गठन करेंगे और वे 7.62 मिमी सेल्फ-लोडिंग राइफलें (एसएलआर) लेकर कदमताल करेंगे।

खबर एक नजर

गणतंत्र दिवस परेड में लोक अदालत को दर्शाती नजर आएगी राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की झांकी

नई दिल्ली। पहली बार, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की झांकी 26 जनवरी को यहां राजपथ पर गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होगी। झांकी में लोक अदालत को दर्शाया जाएगा।

अधिकारियों ने कहा कि कानून मंत्रालय (एनएएलएसए) की झांकी का विषय एक मुट्ठी आसमान (समावेशी कानूनी प्रणाली)- लोक अदालत है। उन्होंने कहा कि झांकी के सामने के हिस्से में न्याय सबके लिए के साथ हाथ का एक भाव दिखाया गया है, जो निडरता, गारंटी और सुरक्षा का प्रतीक है।

झांकी के पिछले हिस्से में एक हाथ को एक-एक करके अपनी पांच अंगुलियों को खोलते हुए देखा जा सकता है, जिसमें लोक अदालतों के पांच मार्गदर्शक सिद्धांतों - सभी के लिए सुलभ, निश्चित, किफायती, न्यायसंगत और समय पर न्याय- को दर्शाया गया है।

अदालत के बाहर सुलह की भावना से कानूनी विवादों को हल करने के लिए 'लोक अदालत' वैकल्पिक विवाद समाधान का एक अभिनव और लोकप्रिय तंत्र है। यह कम से कम समय में विवादों को निपटाने के लिए एक सरल और अनौपचारिक प्रक्रिया का पालन करती है।

लोक अदालत का आदेश अंतिम और गैर-अपीलीय है। 2021 में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालतों के दौरान 1,27,87,329 प्रकरणों का निराकरण किया गया।

गणतंत्र दिवस से पहले दिल्ली में 27 हजार से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात

नई दिल्ली। दिल्ली के पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना ने रविवार को कहा कि गणतंत्र दिवस के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी में 27,000 से अधिक कर्मियों को तैनात किया गया है।

दिल्ली पुलिस प्रमुख ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, दिल्ली में कुल 27,723 जवानों को तैनात किया गया है।

उन्होंने आगे कहा कि कुल बल में 71 पुलिस उपायुक्त (डीसीपी), 213 एसीपी, 713 निरीक्षक, दिल्ली पुलिस कमांडो, सशस्त्र बटालियन अधिकारी और जवान और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 65 कंपनियां शामिल हैं।

आयुक्त ने कहा कि पिछले दो महीनों से दिल्ली पुलिस राष्ट्रीय राजधानी में आतंकवाद के खिलाफ कड़े कदम उठा रही है।

अस्थाना ने कहा, दिल्ली हमेशा असामाजिक तत्वों के निशाने पर रही है। इस साल भी हम अलर्ट पर हैं। पिछले दो महीनों से हम अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय में दिल्ली में आतंकवाद विरोधी कार्रवाई तेज कर रहे हैं।

विशेष रूप से, गणतंत्र दिवस के मद्देनजर खुफिया एजेंसियों को शहर में संभावित आतंकी हमले की सूचना मिलने के बाद दिल्ली वर्तमान में भारी सुरक्षा घेरे में है।

रेड वाइन कोविड को दूर करने में मदद कर सकती ह: रिसर्च

नई दिल्ली। नए रिसर्च के अनुसार रेड वाइन कोविड -19 को रोकने में मदद कर सकती है।

डेली मेल ने अध्ययन के हवाले से बताया कि जो लोग हफ्ते में पांच गिलास से ज्यादा शराब पीते हैं उनमें वायरस के चपेट में आने का खतरा 17 फीसदी कम होता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह पॉलीफेनोल सामग्री के कारण होता है, जो फ्लू और श्वसन पथ से संबंधित संक्रमण जैसे वायरस के प्रभाव को रोक सकता है।

वाइट वाइन पीने वाले जो सप्ताह में एक से चार गिलास के बीच सेवन करते हैं, उनमें गैर-शराब पीने वालों की तुलना में वायरस को पकड़ने का जोखिम आठ प्रतिशत कम था।

बीयर और साइडर पीने वालों में कोविड होने की संभावना लगभग 28 प्रतिशत अधिक थी, भले ही उन्होंने कितना भी सेवन किया हो।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्रिटिश डेटाबेस यूके बायोबैंक के आंकड़ों का चीन के शेनझेन कांगनिंग अस्पताल में विश्लेषण किया गया है।

दिल्ली में रुक-रुक कर हुई बारिश के बाद वायु गुणवत्ता में सुधार

नई दिल्ली। दिल्ली में रुक-रुक कर हुई बारिश के एक दिन बाद रविवार को वायु गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ है। वायु गुणवत्ता प्रणाली और वेंदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च (सफर) के अनुसार, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) मध्यम श्रेणी में 169 दर्ज किया गया।

दोपहर के बाद भी पीएम 2.5 और पीएम 10 दोनों प्रदूषकों का स्तर मध्यम श्रेणी में दर्ज किया गया।

जनवरी के दूसरे सप्ताह से दिल्ली का एक्यूआई बेहद खराब श्रेणी में दर्ज किया गया था। राष्ट्रीय राजधानी में हल्की बारिश होने के कारण महीने की शुरूआत में इसमें सुधार हुआ और यह मध्यम श्रेणी में आ गया।

सफर ने कहा कि सोमवार के बाद से, मानवजनित गतिविधि से सामान्य उत्सर्जन के साथ उचित मौसम की स्थिति प्रबल होने की संभावना है, जिसके कारण प्रदूषकों का एक्यूआई मध्यम या खराब श्रेणी में वापस आ जाएगा।

हवा की गुणवत्ता और मौसम बुलेटिन में कहा गया कि प्रमुख सतही हवा रविवार को 08-16 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दिल्ली के दक्षिण-पूर्वी दिशा से चल रही है। दिल्ली में प्रमुख सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 08 किमी प्रति घंटे, हवा की गति के साथ सोमवार को सुबह आंशिक रूप से बादल और हल्का कोहरा छाए रहने की संभावना है। प्रबल सतही हवा दिल्ली के उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा के साथ आने की संभावना है। गति 06-10 किमी प्रति घंटे, आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और 25 जनवरी को सुबह हल्का कोहरा होगा।

सरकार ने पीएमएलए निर्णायक प्राधिकरण के नए अध्यक्ष की नियुक्ति की

नई दिल्ली। भारतीय राजस्व सेवा के वर्ष 1983 बैच के सेवानिवृत्त अधिकारी विनोदानंद झा को राष्ट्रीय राजधानी स्थित पीएमएलए निर्णायक प्राधिकरण का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। एक आधिकारिक आदेश में यह जानकारी दी गई। झा सितंबर 2018 से प्राधिकरण के सदस्य (वित्त और लेखा) के तौर पर सेवाएं दे रहे हैं।

कोविड की तीसरी लहर में वैश्विक महामारी की थकान से स्वास्थ्य पेशेवरों की जंग जारी

नई दिल्ली। चिकित्सकों के मुताबिक स्वास्थ्य पेशेवर सचमुच कोविड की थकान से जूझ रहे हैं। डॉक्टर समीर खुराना (परिवर्तित नाम) ने बताया कि कैसे वैश्विक महामारी और इसकी दो गंभीर लहरों ने उन्हें और उनके समुदाय के कई चिकित्सकों को ''मानसिक एवं शारीरिक रूप से थका दिया है।

लेकिन खुराना के लिए चिंता की सबसे बड़ी बात यह थी कि वह घर में संक्रमण फैलने का कारण बन सकते हैं। उन्होंने कहा, यह पहले से तनावपूर्ण और थकान भरे समय का बड़ा हिस्सा है जिसका हम सामना कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, मुझे स्पष्ट रूप से याद है कि मैं दिल्ली के जिस चिकित्सा केंद्र में काम करता हूं, उसमें कोविड का पहले मामला सामने आया था। मेरी शिफ्ट अभी शुरू हुई थी और हमें रिपोर्ट बताई गई थी। मैंने अपने व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) पहने और मरीजों का इलाज शुरू किया।

अपना और अपने अस्पताल का नाम उजागर न करने की शर्त पर खुराना ने कहा कि

शुरू में उन्हें पीपीई में असहजता लगती थी लेकिन अब यह मेरी यूनिफॉर्म बन गया है।

उन्होंने कहा, 2020 से, हम लगातार सतर्क और तैयार रहते हैं। कोविड की थकान स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए असल में है जो पिछले दो वर्षों से बिना थके काम कर रहे हैं।

यह याद करते हुए कि कैसे वह अपनी शिफ्ट के बाद छत पर एक छोटे से कमरे में अलग-थलग रहा करते थे और कुछ दिन कभी घर नहीं लौटते थे, खुराना ने कहा, मुझे अपने परिवार की रक्षा करनी थी, खासकर मेरे बुजुर्ग माता-पिता जिनकी उम्र 80 के आस-पास है।

महामारी के अपने तीसरे वर्ष में प्रवेश करने के कगार पर रहने के साथ, खुराना ने कहा, वह और कई अन्य लोग मानसिक और शारीरिक रूप से थका हुआ महसूस करते हैं।

उन्होंने कहा, मेरी बेटी इस साल किंडरगार्टन की पढ़ाई शुरू करेगी और मुझे लगता है कि मैंने उसके जीवन के पहले दो साल गंवा दिए हैं। अब भी मैं खुद को अपने परिवार के सदस्यों से अलग-थलग रखता हूं और पारिवारिक कार्यक्रमों में शामिल नहीं होता हूं।

देश में कोविड का पहला मामला जनवरी 2020 में सामने आया था और तब से देश में वायरस की तीन लहरें आई हैं जिसने 3.92 करोड़ लोगों को संक्रमित किया है और 4.89 लाख लोगों की जान ली है। भारत में फिलहाल कोविड की तीसरी लहर का प्रकोप है जो बेहद संक्रामक ओमीक्रोन स्वरूप के कारण है।

विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक महामारी ने स्वास्थ्य पेशेवरों के शारीरिक और मानसिक लचीलेपन की अत्यधिक परीक्षा ली है।

दिल्ली में एक सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ साजिद अनवर ने कहा कि जब वैश्विक महामारी की शुरुआत हुई थी, चारों तरफ घबराहट और उन्माद था।

उन्होंने कहा, अपनी सुरक्षा बरकरार रखने से ज्यादा जरूरी था कि हमारे मरीज सुरक्षा उपायों का पालन करें जो वे नहीं कर रहे थे। वे ठीक से मास्क नहीं पहनते थे, इंतजार करते वक्त दूरी का पालन नहीं करते थे। लक्षण वाले लोग भी जांच नहीं कराना चाहते थे। अनवर ने कहा कि लोग अब नियमों के प्रति जागरुक हैं लेकिन वह अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर अब भी चिंतित रहते हैं। उन्होंने कहा कि वह तनावपूर्ण समय था। साथ ही कहा कि वैश्विक महामारी ने स्वास्थ्य समुदाय के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर बहुत नकारात्मक असर डाला है।

भुलाये नहीं भूलेगी नेताजी की स्मृति

कहा जाता है कि 18 अगस्त 1945 को उनका विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था लेकिन वास्तव में कोई नहीं जानता कि उनकी मौत कब और कैसे हुई?

18 अगस्त 1945 को सिंगापुर से टोक्यो (जापान) जाते समय ताइवान के पास फार्मोसा में नेताजी का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और माना जाता है कि उस हवाई दुर्घटना में उनका निधन हो गया। हालांकि उनका शव कभी नहीं मिला और मौत के कारणों पर आज तक विवाद बरकरार है।

योगेश कुमार गोयल

23 जनवरी 1897 की उस अनुपम बेला को भला कौन भुला सकता है, जब उड़ीसा के कटक शहर में एक बंगाली परिवार में नामी वकील जानकी दास बोस के घर भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में चमकने वाला एक ऐसा वीर योद्धा जन्मा था, जिसे पूरी दुनिया ने नेताजी के नाम से जाना और जिसने अंग्रेजी सत्ता की ईंट से ईंट बजाने में कोई-कसर नहीं छोड़ी।

जानकीनाथ और प्रभावती की कुल 14 संतानें थीं, जिनमें 6 बेटियां और 8 बेटे थे। सुभाष चंद्र उनकी नौवीं संतान और पांचवें बेटे थे। सुभाष को अपने सभी भाइयों में से सर्वाधिक लगाव शरदचंद्र से था। बचपन से ही कुशाग्र, निडर, किसी भी तरह का अन्याय व अत्याचार सहन न करने वाले तथा अपनी बात पूरी दबंगता के साथ कहने वाले सुभाष ने मैट्रिक की परीक्षा 1913 में कलकत्ता के प्रेसीडेंसी कॉलेज से द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण की।

एक बार कॉलेज में एक प्रोफेसर द्वारा बार-बार भारतीयों की खिल्ली उड़ाए जाने और भारतीयों के बारे में अपमानजनक बातें कहने पर सुभाष को इतना गुस्सा आया कि उन्होंने कक्षा में ही उस प्रोफेसर के मुंह पर तमाचा जड़ दिया, जिसके चलते उन्हें कॉलेज से निकाल दिया गया था। कलकत्ता विश्वविद्यालय से 1919 में बी.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद माता-पिता के दबाव के चलते सुभाष आई.सी.एस. (इंडियन सिविल सर्विस) की परीक्षा हेतु इंग्लैंड के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय चले गए। ब्रिटिश शासनकाल में भारतीयों का प्रशासनिक सेवा में जाना लगभग असंभव ही माना जाता था लेकिन सुभाष ने अगस्त 1920 में यह परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करते हुए चतुर्थ स्थान हासिल किया। उस समय देश का माहौल इस तरह के सम्मानों के सर्वथा विपरीत था, इसलिए सुभाष दुविधा में थे कि वे एक आईसीएस के रूप में नौकरी करके ऐश की जिंदगी बिताएं या अंग्रेज सरकार की इस शाही नौकरी को लात मार दें। उन्होंने तब अपने पिता को पत्र भी लिखा, दुर्भाग्य से मैं आईसीएस की परीक्षा में उत्तीर्ण हो गया हूं मगर मैं अफसर बनूंगा या नहीं, यह नहीं कह सकता।

आखिर देशभक्त सुभाष ने निश्चय कर लिया कि वह ब्रिटिश सरकार में नौकरी करने के बजाय देश की सेवा ही करेंगे और उसी समय उन्होंने ब्रिटेन स्थित भारत सचिव (सेक्रेटरी ऑफ स्टेट फॉर इंडिया) को त्यागपत्र भेजते हुए लिखा कि वह विदेशी सत्ता के अधीन कार्य नहीं कर सकते। नौकरी छोड़कर सुभाष भारत लौटे तो बंगाल में उस समय देशबंधु चितरंजन दास का बहुत प्रभाव था। सुभाष भी उनसे बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने चितरंजन दास को अपना राजनीतिक गुरु बना लिया। सिविल सर्विस छोड़ने के बाद वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ जुड़ गए। 1921 में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सदस्यता ले ली। दिसम्बर 1921 में भारत में ब्रिटिश युवराज प्रिंस ऑफ वेल्स के स्वागत की तैयारियां चल रही थी, जिसका चितरंजन दास और सुभाष ने बढ़-चढ़कर विरोध किया और जुलूस निकाले, इसलिए दोनों को जेल में डाल दिया गया। इस तरह सुभाष 1921 में पहली बार जेल गए। उसके बाद तो विभिन्न अवसरों पर ब्रिटिश सरकार की बखिया उधेड़ने के कारण सुभाष कई बार जेल गए।

सुभाष महात्मा गांधी के अहिंसा के विचारों से सहमत नहीं थे। दरअसल गांधी जी उदार दल का नेतृत्व करते थे जबकि सुभाष क्रांतिकारी दल के चहेते थे। दोनों के विचार भले ही पूरी तरह भिन्न थे किन्तु सुभाष यह भी जानते थे कि गांधी और उनका उद्देश्य एक ही है, अंग्रेजों की गुलामी से देश को आजाद कराना। विचारों में प्रबल विरोधाभास होने के बावजूद गांधीजी को राष्ट्रपिता कहकर सर्वप्रथम नेताजी ने ही संबोधित किया था। सुभाष पूर्ण स्वतंत्रता के हक में थे, इसलिए उन्होंने 1928 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में %विषय समिति% में नेहरू रिपोर्ट द्वारा अनुमोदित प्रादेशिक शासन स्वायत्तता के प्रस्ताव का डटकर विरोध किया था। 1930 में सुभाष कलकत्ता नगर निगम के महापौर निर्वाचित हुए और फरवरी 1938 में कांग्रेस के हरिपुरा अधिवेशन में पहली बार कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए, जिसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय योजना आयोग का गठन किया, जो गांधीवादी आर्थिक विचारों के अनुकूल नहीं था।

महात्मा गांधी के प्रबल विरोध के बावजूद जनवरी 1939 में सुभाष पुनः एक गांधीवादी प्रतिद्वंदी को हराकर कांग्रेस के अध्यक्ष बने किन्तु गांधी ने इसे सीधे तौर पर अपनी हार के रूप में प्रचारित करते हुए सुभाष के अध्यक्ष चुने जाने पर स्पष्ट रूप से कहा कि सुभाष की जीत मेरी हार है। उसके बाद महसूस किया जाने लगा था कि गांधी के प्रबल विरोध के चलते सुभाष पद छोड़ देंगे और अंततः गांधी के लगातार विरोध को देखते हुए उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी। गांधी और सुभाष के विचारों में मतभेद इतना बढ़ चुका था कि अप्रैल 1939 में सुभाष ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा देकर 5 मई 1939 को %फारवर्ड ब्लॉक% नामक नया दल बना लिया। उस समय तक सुभाष की गतिविधियां और अंग्रेज सरकार पर उनके प्रहार इतने बढ़ चुके थे कि अंग्रेज सरकार ने उन्हें भारत रक्षा कानून के तहत गिरफ्तार कर लिया। जेल में सुभाष ने आमरण अनशन शुरू कर दिया, जिससे उनकी सेहत बहुत बिगड़ गई तो अंग्रेज सरकार ने उन्हें जेल से रिहा कर उनके घर में ही नजरबंद कर दिया लेकिन जनवरी 1941 में सुभाष अंग्रेजों की आंखों में धूल झोंककर वहां से भाग निकलने में सफल हो गए। वहां से निकलकर वह काबुल व पेशावर होते हुए जर्मनी की ओर कूच कर गए। उस समय द्वितीय विश्व युद्ध चल रहा था और जापानी अंग्रेजों पर भारी पड़ रहे थे, अतः सुभाष ने जापानियों की मदद से अपनी लड़ाई लड़ने का निश्चय किया। दरअसल उनका मानना था कि अंग्रेजों के दुश्मनों से मिलकर आजादी हासिल की जा सकती है।

10 अक्तूबर 1942 को उन्होंने बर्लिन में आजाद हिंद सेना की स्थापना की और 21 अक्तूबर 1943 को आजाद हिंद सेना का विधिवत गठन हुआ। आजाद हिन्द फौज के सर्वोच्च नेता की हैसियत से उन्होंने स्वतंत्र भारत की अस्थायी सरकार बनाई, जिसे जर्मनी, जापान, फिलीपींस, कोरिया, चीन, इटली, मान्चुको तथा आयरलैंड ने मान्यता भी दी और जापान ने अंडमान-निकोबार द्वीप इस अस्थायी सरकार को दे दिए, जिसके बाद सुभाष ने उन द्वीपों का नया नामकरण किया। 1944 में आजाद हिन्द फौज ने अंग्रेजों पर पुनः आक्रमण किया और कुछ भारतीय प्रदेशों को अंग्रेजों से मुक्त भी करा लिया था। उनकी सेना के प्रतीक चिह्न पर एक झंडे पर दहाड़ते हुए बाघ का चित्र था। अपनी आजाद हिंद फौज के साथ नेताजी सुभाष 4 जुलाई 1944 को बर्मा पहुँचे, जहां उन्होंने भारत को विदेशी दासता से मुक्ति दिलाने के लिए %तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा% नारे के साथ समस्त भारतवासियों का आव्हान किया। उनकी आजाद हिंद सेना में हर जाति, हर धर्म, हर सम्प्रदाय के सैनिक थे और उनके क्रांतिकारी विचारों से देशवासी इतने प्रभावित हुए कि देखते ही देखते उनके साथ एक बहुत बड़ा काफिला खड़ा हो गया।

सम्पादकीय

यूक्रेन संकट :भारत की दुविधा

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

इस समय यूक्रेन पर सारी दुनिया की नजर लगी हुई हैं, क्योंकि अमेरिका और रूस एक-दूसरे को युद्ध के धमकी दे रहे हैं। जैसे किसी जमाने में बर्लिन को लेकर शीतयुद्ध के उष्णयुद्ध में बदलने की आशंका पैदा होती रहती थी, वैसा ही आजकल यूक्रेन को लेकर हो रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और विदेश मंत्री खुलेआम रूस को धमकी दे रहे हैं कि यदि रूस ने यूक्रेन पर हमला किया तो उसके नतीजे बहुत बुरे होंगे।

सचमुच यदि यूरोप में युद्ध छिड़ गया तो इस बार वहां प्रथम और द्वितीय महायुद्ध से भी ज्यादा लोग मारे जा सकते हैं, क्योंकि इन युद्धरत राष्ट्रों के पास अब परमाणु शस्त्रास्त्रों और प्रक्षेपास्त्रों का अंबार लगा हुआ है। रूस ने यूक्रेन की सीमा पर लगभग एक लाख फौजियों को अड़ा रखा है। यूक्रेन के दोनबास क्षेत्र पर पहले से रूस-समर्थक बागियों का कब्जा है।

यूक्रेन पर लंबे समय तक रूस का राज रहा है। वह अभी लगभग दो-दशक पहले तक रूस का ही एक प्रांत भर था। सोवियत रूस के विश्व-प्रसिद्ध नेता निकिता ख्रश्चौफ यूक्रेन में ही पैदा हुए थे। इस समय यूरोप में यूक्रेन ही रूस के बाद सबसे बड़ा देश है। लगभग सवा चार करोड़ की आबादी वाला यह पूर्वी यूरोपीय देश पश्चिमी यूरोप के अमेरिका-

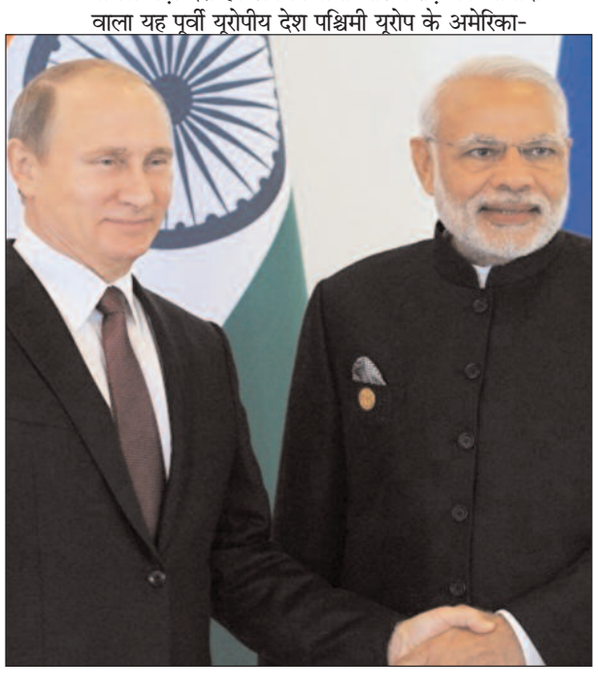

समर्थक देशों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने की कोशिश करता रहा है। वह रूस के शिकंजे से उसी तरह बाहर निकलना चाहता है, जिस तरह से सोवियत खेमे के अन्य 10 देश निकल चुके हैं। उसने यूरोपीय संघ के कई संगठनों के साथ सहयोग के कई समझौते भी कर लिये हैं।

रूस के नेता व्लादिमीर पुतिन को डर है कि कहीं यूक्रेन भी अमेरिका के सैन्य संगठन नाटो का सदस्य न बन जाए। यदि ऐसा हो गया तो नाटो रूस की सीमाओं के बहुत नजदीक पहुंच जाएगा। यों भी एस्तोनिया, लेटविया और लिथुवानिया नाटो के सदस्य बन चुके हैं, जो रूस के सीमांत पर स्थित हैं। यूक्रेन और जार्जिया जैसे देशों को रूस अपने प्रभाव-क्षेत्र से बाहर नहीं खिसकने देना चाहता है। लेनिन के बाद सबसे अधिक विख्यात नेता जोजफ़ स्तालिन का जन्म जार्जिया में ही हुआ था। इन दोनों देशों के साथ-साथ अभी भी मध्य एशिया के पूर्व-सोवियत देशों में रूस का वर्चस्व बना हुआ है।

अफगानिस्तान से अमेरिकी पलायन के कारण रूस की हिम्मत बढ़ी है। यों भी यूक्रेन पर बाइडन और पुतिन के बीच सीधा संवाद भी हो चुका है और दोनों देशों के विदेश मंत्री भी आपस में बातचीत कर रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि यूक्रेन को लेकर दोनों महाशक्तियों के बीच युद्ध छिड़ेगा, क्योंकि वैसा होगा तो यूरोप के नाटो देशों को मिलने वाली रूसी गैस बंद हो जाएगी। उनका सारा कारोबार ठप्प हो जाएगा और उधर रूस की लड़खड़ाती हुई अर्थ-व्यवस्था पैंदे में बैठ जाएगी।

खुद यूक्रेन भी युद्ध नहीं चाहेगा, क्योंकि लगभग एक करोड़ रूसी लोग वहां रहते हैं। इस संकट में भारत की दुविधा बढ़ गई है। इस समय भारत तो अमेरिका के चीन-विरोधी मोर्चे का सदस्य है और वह रूस का भी पुराना मित्र है। उसे बहुत फूंक-फूंककर कदम रखना होगा।

प्रेरक है नेताजी का इतिहास बोध

हृदयनारायण दीक्षित

भारतीय इतिहास दृष्टि में लोकमंगल का लक्ष्य है और समग्रता का दृष्टिकोण है। इतिहासबोध राष्ट्रभाव की आत्मा है। स्वाधीनता संग्राम के सभी शिखर पुरूष वास्तविक इतिहासबोध से लैस थे।

गांधी जी का इतिहास बोध अप्रतिम था। इस इतिहास बोध में सच्चा राष्ट्रबोध है। स्वसंस्कृति और स्वराष्ट्र के प्रति सत्याग्रही आदरभाव है। सो गांधी जी का इतिहास बोध पश्चिम की सभ्यता, सत्ता और संस्कृति पर आक्रामक था। लोकमान्य तिलक का इतिहासबोध ऋग्वेद से लेकर आधुनिक काल तक सतत् प्रवाही सीधी रेखा है। विपिन चन्द्र पाल के इतिहास बोध ने राष्ट्रगौरव बढ़ाया। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का इतिहास बोध भारत के साथ साथ विश्व इतिहास की गहन समझ से भी लैस था। सुभाष चन्द्र बोस के इतिहास बोध में भारत एक प्राणवान आर्थिक, राजनीतिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक सत्ता है। यहां मैं नेताजी के इतिहास बोध पर चर्चा करूंगा।

द इण्डियन स्ट्रगल (1920-42) नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की लिखी प्रीतिकर ऐतिहासिक किताब है। पुस्तक का 1920-35 तक का हिस्सा लारेन्स ऐण्ड विशर्ट लंदन ने जनवरी 1935 में छापा था। भारत में इस पर प्रतिबंध लगा। हाउस आफ कामंस में भारत मंत्री सेमुअल होर ने सफाई दी इसकी सामग्री आतंकवाद और सीधी कार्रवाई को प्रोत्साहन देने वाली है। पुस्तक का शेष भाग (1935 से 1942 तक) बाद में लिखा गया था। भारत सरकार के सूचना विभाग द्वारा प्रकाशित नेताजी सम्पूर्ण वाङ्मय के खण्ड 2 में यह पुस्तक संकलित है। नेताजी के मस्तिष्क में भारत क्या था? लिखते हैं, भौगोलिक दृष्टि से देखें तो लगता है कि भारत शेष संसार से अलग एक स्वायत्त इकाई है। उत्तर में विशाल हिमालय और दोनों ओर महासागरों से घिरा भारत एक स्पष्ट भौगोलिक इकाई होने की बेजोड़ मिसाल है। रक्त या जातीय भिन्नता तो भारत में कभी कोई समस्या रही ही नहीं। इतिहास में वह न जाने कितनी जातियों को आत्मसात करने और उन सब पर अपनी समान संस्कृति और परम्परा की छाप डालने में समर्थ रहा है।

भारत एक सांस्कृतिक सूत्र में बंधा हुआ है। सो क्यों? नेता जी ने लिखा है, सबको जोड़ने और मिलाने का सर्वाधिक महत्वपूर्ण साधन रहा है हिन्दू धर्म। उत्तर, दक्षिण, पूरब और पश्चिम - आप कही भी जाएं, आपको सर्वत्र समान धार्मिक विचार, समान संस्कृति और समान परम्पराएं मिलेंगी। सभी हिन्दू भारत को अपनी पुण्य भूमि मानते हैं। हिन्दुओं की पवित्र नदियां और पवित्र नगरियां देश-भर में फैली हैं। (वही) यहां हिन्दू धर्म अंध आस्था नहीं है। धर्म यहां वैचारिकी है। एक समान संस्कृति का प्रेरक है। उन्होंने लिखा, श्रद्धालु हिन्दू के लिए चारों धामों की तीर्थ-यात्रा तभी पूरी होती है, जब वह दूर दक्षिण में सेतुबन्ध रामेश्वर से लेकर उत्तर में हिममंडित शिखरों वाले हिमराज की गोद में स्थित बद्रीनाथ के दर्शन कर लेता है। जो भी संत-महात्मा देश को अपने पंथ या धार्मिक विचारों की ओर आकृष्ट करना चाहता था, उसे सारे देश का देशाटन करना होता था। उनमें से एक महापुरूष थे शंकराचार्य जो आठवीं

शताब्दी में हुए और जिन्होंने भारत के चारों कोनों में चार आश्रम (पीठ) स्थापित किए जो आज तक सुचारु रूप से चले आ रहे हैं।÷ नेताजी के लिए समूचा भारत एक रीति, एक प्रीति में बंधा हुआ है।

नेताजी आन्दोलनकारी योद्धा थे। वे तत्कालीन स्वातंत्र्य आन्दोलन को सम्यक् इतिहासबोध से जोड़ते हैं भारत के आधुनिक राजनीतिक आन्दोलन को उचित परिप्रेक्ष्य में समझने के लिए यहां की पिछली राजनीतिक व्यवस्था पर सरसरी नजर डालना आवश्यक है। भारत की सभ्यता अधिक नहीं तो भी 3000 ई0पू0 से तो आरम्भ होती ही है, और तब से आज तक संस्कृति और सभ्यता की अजस्र धारा बहती रही है। यह अजस्र धारा भारत के इतिहास की एक बहुत बड़ी विशेषता है। वे मोएन जोदड़ो और हड़प्पा की खोदाई को उद्धृत करते हैं और लिखते हैं बहुत नहीं तो भी कम से कम 3000 ई0 पूर्व में ही भारत सभ्यता के ऊंचे शिखर पर था। नेताजी के अनुसार यूरोपीय इतिहासकार प्राचीन भारतीय इतिहास की उपेक्षा कर रहे थे। नेताजी ने लिखा भारत का इतिहास दो चार दशकों या सदियों नहीं, बल्कि हजारों वर्ष पुराना है। नेता जी ने लिखा आदि वैदिक साहित्य में राजतंत्र से भिन्न प्रकार की शासन प्रणाली का उल्लेख है ..... वैदिक समाज या समुदायों में ग्राम सबसे छोटे और जन सबसे ऊंचे सामाजिक संगठन थे।

नेताजी ने वैदिक साहित्य के तथ्य देकर प्राचीन राजनैतिक प्रणाली के बारे में लिखा, इस बात के भी प्रमाण हैं कि अत्यन्त प्राचीन काल में भी शासन निर्णयों के लिए लोकप्रिय संसद आयोजित होती थी। वैदिक साहित्य में सभा समितियों के उल्लेख हैं। वैदिक काल में राजा थे, ऋग्वेद में राजा हैं। वैदिक काल जनतंत्री था। विविध प्रकार की विचारधाराएं थीं, देवोपासक थे, प्रकृति के साधक भी थे। सभा -समितियां ऋग्वेद से लेकर अथर्ववेद और ब्राह्मण ग्रन्थों में हैं। महाभारत में तो कई अध्यायों से मिलकर बने एक बड़े हिस्से का नाम %सभा पर्व% है। नेताजी ने सभा और समिति का विस्तृत वर्णन किया है। लिखा है ÷इतिहास के वैदिक काल और महाकाव्यों के काल में सत्ता के केन्द्रीकरण की यह प्रवृत्ति प्रबल होती दिखाई पड़ती है। .....सिकंदर के भारत से लौट जाने पर चन्द्रगुप्त मौर्य ने 322 ई0पू0 में अपना साम्राज्य स्थापित किया। नेताजी उपनिषद् काल और वेदान्त दर्शन की प्रशंसा करते हैं और हर्षवर्द्धन (640 ई0) तक राजनीतिक एकता की तारीफ करते हैं।

अधिकांश विचारक नेताजी सुभाष चन्द्र बोस को कम्युनिस्ट बताते हैं। नेता जी ने पं0 नेहरू के एक कथन पर टिप्पणी की है। पं0 नेहरू ने 18 दिसम्बर 1933 को सम्वाददाताओं से कहा था ÷मेरा पक्का विश्वास है कि आज की दुनिया को मूलतः साम्यवाद या फासिस्टवाद में से एक को चुनना होगा? और मैं पूरे दिल से पहले यानी साम्यवाद के पक्ष में हूँ। ..... फासिस्टवाद और साम्यवाद के बीच कोई रास्ता नहीं है। हमें दोनो में से एक को चुनना होगा और मैं साम्यवाद के आदर्श को चुनूंगा।÷ नेताजी ने अपनी किताब में इस पूरे वक्तव्य को उद्धृत किया है। फिर अपनी टिप्पणी दी है ÷यहां प्रकट मत बुनियादी तौर पर गलत है .....यह मानने का कोई कारण नहीं है कि हमें केवल इन्हीं दो रास्तों में से एक को चुनना है। हीगल, बर्गसन या विकास के अन्य किसी सिद्धांत को मानें, हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि सृजन का अंत आ गया है।÷ बिल्कुल ठीक कहा है। एक रास्ता हिटलर का है, दूसरा मार्क्स या माओ का। हिटलर के राष्ट्रवाद में मार्क्स 0माओ का रक्तपात है, तानाशाही है। मार्क्स- माओ के समाजवाद में हिटलर का रक्तपात है। हिंसा है और वैसी ही तानाशाही है। दोनों रास्ते गलत हैं। सभी विचारधाराओं का समन्वित आदर्श ही भारत का मार्ग होगा। नेता जी ने लिखा क्या यह आश्चर्य की बात होगी कि यह समन्वय भारत ही प्रस्तुत करें।

सुभाष चन्द्र बोस की दृष्टि में भारत स्वयं में एक विचारधारा है। कम्युनिज्म राष्ट्रवाद नहीं मानता। नेताजी ने लिखा, ÷कम्युनिज्म में राष्ट्रवाद के प्रति कोई सहानुभूति नहीं है।÷ नेताजी ने बताया है कि ÷रूस में कम्युनिज्म का विकास धर्म विरोधी नास्तिकवादी रूप में हुआ है। भारत में कोई संगठित धार्मिक संस्था नहीं रही।÷ रूस में संगठित चर्च और राज्य व्यवस्था एक थे। भारत में ऐसा नहीं था। नेताजी ने लिखा, ÷इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या को, जो कि कम्युनिस्ट सिद्धांत का मुख्य बिन्दु है, भारत में वे लोग भी सम्पूर्ण रूप में ग्रहण नहीं कर पाएंगे, जो इसके आर्थिक सिद्धांतों को मानने को तैयार होंगे।÷ नेताजी ने रूसी साम्यवाद से भारत को आगाह किया भारत सोवियत रूस का नया संस्करण कभी नहीं बनेगा। बिल्कुल सही लिखा है। पं0 नेहरू सोवियत रूस से प्रेरित थे। लेकिन सोवियत रूस ही साम्यवाद में बिखर गया। सुभाष चन्द्र बोस की जयंती है। उनकी इतिहास समझ प्रेरक है।

अमर जवान ज्योति को बुझा, कर जज्बात और यादें को धुमिल करने की कोशिश

विनोद तकिया वाला

विश्व के सबसे बड़े प्रजातंत्र भारत , भारत की राजधानी व ऐतिहासिक शहर दिल्ली,दिल्ली की धरोहर इंडिया गेट इण्डिया गेट पर अवस्थित अमर जवान ज्योति। केन्द्र सरकार द्वारा नेता जी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा लगाना अच्छी बात है, लेकिन सरकार के द्वारा अमर जवान ज्योति अखण्ड ज्योति स्वरूप मशाल को बुझा कर आजाद हिन्द फौज के संस्थापक नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा स्थापित करने की खबर से प्रत्येक देश प्रेमी के लिए आर्शचय की बात है । परिणाम स्वरूप सियासी राजनीति के गलियारे में सता पक्ष व विपक्ष के मध्य वाक्य युद्ध छिड़ गया है। सता पक्ष नेता जी के नाम पर अपनी राजनीति चमकाने का स्वर्णिम अवसर के रूप में अपने पक्ष व समर्थकों का दिल जीतने का भरसक प्रयास कर रहा है वही दुसरी ओर विपक्ष इसे भारतीय को इतिहास बदलने का प्रयास बता रही है। इस संदर्भ में विपक्ष ने सरकार से यह प्रशन कर रही है क्या -केन्द्र सरकार दो स्थानों पर हमारे अमर जवानों के नाम ज्योति जला सकती थी । इस संदर्भ में आम आदमी पार्टी राज्यसभा सांसद डा सुशील गुप्ता ने पंजाब के विधान सभा चुनावी

जनसम्पर्क अभियान के दौरान कही।सुशील गुप्ता ने कहा कि हम सरकार के इंडिया गेट पर सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा लगाए जाने का स्वागत करते है, लेकिन भारत के गुमनाम सैनिक की श्रद्धांजलि का प्रतीक, अमर जवान ज्योति को बुझा कर वॉर मेमोरियल की ईटरनल फ्लेम मे मिलाने का विरोध भी करते है । वे मानते है कि ज्योति से ज्योति तो जलाई जाती है लेकिन एक 50 बर्षो से जलती अखण्ड ज्योति को बुझा कर दुसरी ज्योति जलाई जा रही गई। भारत का इतिहास इसे कभी माफ नही करेगा ।

आप को बता दे दिल्ली के दिल मे 50 वर्षो से जलती आ रही अमर जवान ज्योति,जो भारत के गुमनाम सैनिक की श्रद्धांजली स्वरूप अखण्ड जलता मशाल सम्मान का प्रतीक भी है जिसे बुझा कर वॉर मेमोरियल की ईटरनल फ्लेम मे मिला दिया गया है, ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हम दो जगह पर शहीदों को श्रद्धाजंलि देने के लिए अमर जवान ज्योति को जला कर नहीं रख सकते। सरकार के पास इसके लिए समय या इच्छा शक्ति की कमी है।

जैसा कि विदित है कि इंडिया गेट जिसे पहले भारतीय वॉर मैमोरियल कहा जाता था 90,000 सैनिकों को समर्पित है। जिन्होंने ब्रिटिश इंडिया आर्मी मे 1914-1921 के बीच शहादत दी। ब्रिटिश आर्मी के 13,300 सैनिक और अफसरों के नाम इंडिया गेट पर लिखे हुए हैं। 1972 मे बांग्लादेशी स्वतंत्रता युद्ध के बाद इंडिया गेट के अंदर काले मार्बल पर उल्टी राईफल और सैनिक की हेलमेट के साथ अमर जवान ज्योति का निर्माण हुआ और इसका उद्घाटन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा किया गया था।गुमनाम वीर सैनिक को श्रद्धांजलि का प्रतीक अमर जवान ज्योति पिछले 50 वर्षो से लगातार जल रही थी। आर्मी,नेवी और एयरफोर्स के एक सैनिक 24 घंटे अमर जवान ज्योति की निगरानी पर तैनात रहते थे।जो साधारण भारतीयों को अपने सैन्य बल के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए बहुत ही भावात्मक व प्रेरणा स्थल रहा है।केन्द्र में सतारूढ़ भाजपा सरकार ने पिछले 50 वर्षो की दो पीढ़ियों के जज्बात और यादों के प्रतीक को कल बुझा दिया गया है।जिसे 20 जनवरी को 400 कदम दूर राष्ट्रीय समर स्मारक की ईटरनल फ्लेम मैं अमर जवान ज्योति का स्थानांतरण कर दिया गया। भारतीय के सच्चे राष्ट्र प्रेमी में अफसोस है की वीर सैनिको की याद को बिना किसी विशेष वजह से खत्म कर दिया गया। बडे संख्या मे पटर्यक इंडिया गेट के आस-पास पिकनिक मनाना, बोट राइडिंग करना, चिल्ड्रंस पार्क में खेलना और राजपथ पर आइसक्रीम खाना यह सब हमारे बचपन का हिस्सा है।अमर जवान ज्योति को जलते देख सभी अनगिनत सैनिकों का स्मरण किया जाता है जिन्होंने देश की रक्षा और आजादी के लिए अपनी जान की कुर्बानी दे दी।

विपक्षी राजनीति दल के नेताओ ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार इतिहास बना तो नहीं सकती, हां इतिहास मिटाने का काम जरूर कर रही है।

आम जनता के मन मे सवाल उठ ना स्वाभाविक है कि कौन सा देश है जो अपने वीर सैनिको के नाम दो अखण्ड ज्योति को जलाये नही रख सकती नहीं।सता की नशा में केन्द्र की भाजपा सरकार भारत के इतिहास को बदलने की कोशिश की जा रही है और 2014 के पहले के राष्ट्रीय चिन्हों को खत्म करने का प्रयास हो रहा है।

जहाँ तक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की इंडिया गेट पर प्रतिमा लगाए जाने के प्रसास केन्द्र सरकार का एक सहारणीय कदम है जिसका प्रत्येक भारतीय सच्चे दिल से स्वागत करने के लिए आतुर है।नेता जी सुभाष चन्द्र बोस को भारत ही नही वरन आजादी के पूर्व स्वतंत्रता संग्राम व आजाद हिन्द फौज को अमर कहानी अविस्मरणीय है।नेता जी सुभाष चन्द्र बोस के 125 वी जयंती 23 जनवरी को देश भर कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है।भारत इन दिनों अपनी आजादी के 75 वी वर्ष गाढ पर आजादी के अमृत महोत्सव मना रही है।इण्डिया गेट पर नेता जी के आदम कद की प्रतिमा लगना प्रत्येक भारतवासी के लिए गर्व की बात है। अतः मे नेता जी की जयंती पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं । फिलहाल आप हम यह कहते हुए विदा लेते है। ना ही काहूँ से दोस्ती ना ही काहूँ से बैर खबरी लाल तो मांगे सबकी खैर ॥

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

थानाध्यक्ष आशीष तोमर के नेतृत्व में पुलिस और पैरा मिलिट्री फोर्स ने किया पैदल मार्च

संवाददाता

स्योहारा-थानाध्यक्ष आशीष तोमर के नेतृत्व में पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स में संयुक्त रुप से ग्रामीण इलाकों बुढ़नपुर, मंगलखेड़ा, हरोली, पाईंदापुर, सदाफल, कुरी बांगर आदि गांवों में एरिया डोमिनेशन के तहत पैदल मार्च किया। साथ ही लोगों को भयमुक्त मतदान करने को जागरूक किया। विधानसभा चुनाव को लेकर प्रशासन पूरी तरीके से सतर्क है। थानाध्यक्ष आशीष तोमर ने बताया कि चुनाव का निष्पक्ष माहौल बनाने के लिए चुनाव आयोग द्वारा अतिरिक्त पुलिस बल और पैरामिलिट्री फोर्स उपलब्ध कराया गया है जिसका इस्तेमाल विभिन्न थाना क्षेत्रों में एरिया डोमिनेशन के लिए किया जा रहा है ताकि लोग निष्पक्ष होकर मतदान कर सकें। आचार संहिता लागू है और यदि कोई भी आचार संहिता का उल्लंघन करता हुआ पाया जाता है तो संबंधित के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सभी मतदाता भय रहित मतदान करें तथा किसी के प्रलोभन में न आए। उन्होंने कहा कि अगर कोई किसी मतदाता को प्रलोभन देता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी । इसी के साथ उन्होंने सभी लोगों से कोविड के नियमों का पालन करने को अपील की।

मंडलायुक्त ने प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया

मेला क्षेत्र में जलभराव की समस्या का कारण सीपेज बताए जाने पर उसका शीघ्र उपाय करने के दिए निर्देश।

संवाददाता

प्रयागराज। गंगद्वीप से स्थानांतरित किए गए जो भी श्रद्धालु दूरी होने के कारण सेक्टर 5 नहीं जाना चाहते उनसे लिखित में सहमति लेने के निर्देश दिए।

जो भी संस्था जिस सुविधा के लिए अनुमन्य है एवं जो उसे विगत वर्षों में मिलती रही है उसे वह सुविधाएं दी जाएं।

माघ मेला में गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि से उत्पन्न हुई समस्याओं के तत्काल निदान हेतु मंडलायुक्त संजय गोयल ने मेला अधिकारी अरविंद कुमार चौहान एवं अन्य अधिकारियों समेत मेले के सबसे प्रभावित क्षेत्रों का आज निरीक्षण कर स्थिति का जायजा दिया। सेक्टर 3 स्थित गंगद्वीप, सेक्टर 2 तथा अन्य प्रभावित स्थानों पर सिंचाई विभाग द्वारा नदी के जल को मेला क्षेत्र में आने से रोकने हेतु की गई कार्यवाही का निरीक्षण करते हुए मंडलायुक्त ने मैनपावर, ट्रैक्टर्स एवं पंप्स की संख्या बढ़ाकर मेला क्षेत्र से पानी को तत्काल निकालकर वहां बालू डलवाने के निर्देश दिए। इसी क्रम में उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को जल स्तर की निरंतर निगरानी करने एवं किसी भी परिस्थिति में अगर जल स्तर में और भी वृद्धि के संकेत मिलते हैं तो उसके दृष्टिगत पहले से ही पूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं। गंगा नदी का जलस्तर विगत वर्ष के सापेक्ष इस वर्ष लगभग 3.5 फुट ऊपर है।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने जल निगम के अधिकारियों द्वारा की जा रही धीमी कार्यवाही पर खासी नाराजगी व्यक्त की जिस पर संबंधित अधिकारियों द्वारा उनको अवगत कराया गया की जल स्तर में वृद्धि के कारण आसपास के क्षेत्रों का वाटर टेबल ऊपर आ गया है जिसकी वजह से पानी का सीपेज हो रहा है। सभी प्रभावित संस्थाओं में यही सीपेज का पानी आ रहा है तथा बार-बार ड्रेन आउट करने के पश्चात भी पानी भरता जा रहा है। इस पर मंडलायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में और बालू डलवाने एवं और अधिक पंप लगाकर पानी को निरंतर ड्रेन आउट करने के निर्देश दिए।

जलस्तर में वृद्धि होने से गंगद्वीप की सभी प्रभावित 44 संस्थाओं एवं प्रयागवालों को सेक्टर 5 एवं अन्य स्थानों पर सभी मूलभूत सुविधाओं के साथ मेला अधिकारी के निर्देशन में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया पहले ही शुरू की जा चुकी है। परंतु कई श्रद्धालु सेक्टर 5 में स्थानांतरित नहीं होना चाहते। यह संज्ञान में आने पर मंडलायुक्त ने सभी संस्थाओं की एक सूची बनाकर जो लोग भी सभी मूलभूत सुविधाएं देने के पश्चात भी स्थानांतरित नहीं होना चाहते उनसे लिखित में सहमति लेने के निर्देश दिए हैं।

मंडलायुक्त ने गंगद्वीप के प्रभावित श्रद्धालुओं को सेक्टर 5 के जिस स्थान पर स्थानांतरित किया जा रहा है उसका भी निरीक्षण कर वहां शौचालय, बिजली, पानी जैसी अन्य सभी मूलभूत सुविधाएं तत्काल सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने सभी की सुरक्षा हेतु वहां पुलिस बल की भी तैनाती हेतु मेला अधिकारी को निर्देश दिए हैं।

नरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त के संज्ञान में यह भी लाया गया कि इस वर्ष कई संस्थाओं को अनुमन्य सुविधाएं विगत वर्षों की तरह अभी तक नहीं मिल सकी हैं जिस पर उन्होंने मेला अधिकारी को निर्देशित किया कि जो भी संस्था जिस सुविधा के लिए अनुमन्य है एवं जो उसे विगत वर्षों में मिलती रही हैं उसे वह सुविधाएं दी जाएं। साथ ही उन्होंने सभी संस्थाओं में कोविड प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है या नहीं इसे एक टीम लगाकर क्रॉस चेक करने के भी निर्देश दिए हैं।

परीक्षा में अभ्यर्थियों को परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा अनुमन्य रहेगी

अभ्यर्थी अपने साथ प्रवेश पत्र की अतिरिक्त प्रतियां अनिवार्य रूप से रखें

संवाददाता

प्रयागराज। क्षेत्रीय प्रबंधक रोडवेज टी0के0 बिसेन ने बताया है कि दिनांक 23.01.2022 को पुनः आयोजित होने वाली उ0प्र0 शिक्षक पात्रता परीक्षा 2021 में सम्मिलित होने वाले समस्त प्रतिभागियों को उनके एडमिट कार्ड (प्रवेश पत्र) पर परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा सुविधा उपलब्ध कराये जाने का निर्देश प्राप्त हुआ है। निःशुल्क यात्रा सुविधा परीक्षा तिथि 23.01.2022 से एक दिन पूर्व दिनांक 22.01.2022 से परीक्षा समाप्ति के एक दिन बाद दिनांक 24.01.2022 तक मान्य होगी। उन्होंने बताया है कि उक्त के संदर्भ में शिक्षा विभाग द्वारा उ0प्र0 शिक्षक पात्रता परीक्षा 2021 में सम्मिलित होने वाले समस्त प्रतिभागी आनलाइन अपलोड़ किये हुए प्रवेश पत्र की अतिरिक्त प्रतियां अपने पास सुरक्षित रखे तथा यात्रा के दौरान परिचालक द्वारा मांगे जाने पर एक प्रति स्व हस्ताक्षरित प्रति परिचालक को उपलब्ध करायें। अभ्यर्थी द्वारा परिचालक को जो प्रति उपलब्ध करायी जायेगी, उसपर अप ट्रिप शब्द अंकित करते हुए यात्रा प्रारम्भ करने का स्थान एवं गन्तव्य स्थान का नाम तथा डाउन ट्रिप के लिए डाउन ट्रिप शब्द अंकित करते हुए यात्रा प्रारम्भ करने का स्थान एवं गन्तव्य स्थान का नाम स्पष्ट रूप से अंकित किया जायेगा।

मानसिक रूप से बीमार बुजुर्ग ने ट्रेन के आगे की आत्महत्या

संवाददाता

मानसिक रूप से बीमार बुजुर्ग ने ट्रेन के आगे की आत्महत्या मामला है जनपद बिजनौर के स्योहारा थाना क्षेत्र के गांव मेवा नवादा का जहां रेलवे लाइन पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव होने की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्ज़े में लिया और पंचनामा भरते हुए शव की शिनाख्त कराई। मृतक की पहचान 60 वर्षीय मोहम्मद यासीन पुत्र भूरे निवासी ग्राम सलेमपुर गढ़ी थाना कांठ जिला मुरादाबाद के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि मृतक मानसिक रूप से बीमार था और अक्सर ट्रेन के आगे आत्महत्या करने की बात कहा करता था। मृतक अपने रिश्तेदारी में सहसपुर आया हुआ था और मेवा नवादा की रेलवे लाइन पर जाकर ट्रेन के सामने आकर आत्महत्या कर ली जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा भर लाश को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बिजनौर भेज दिया है।

जनप्रतिनिधि रहे खामोश, शुरु नहीं हो सका ट्रामा सेंटर

संवाददाता, सीतापुर। पूरे पांच साल बीत गए। लेकिन, जनप्रतिनिधि ट्रामा सेंटर को चालू नहीं करा पाए और न ही जिला अस्पताल में हृदय रोग विशेषज्ञ की तैनाती करा सके। इससे लोगों में जनप्रतिनिधियों के प्रति नाराजगी है। जिले की स्वास्थ्य सेवाओं का जिक्र करते ही लोग तमाम शिकायतें करने लगते हैं। नेशनल हाईवे पर खैराबाद के जमैयतपुर में ट्रामा सेंटर का भवन पूर्ववर्ती सरकार में बना था। इसमें अब तक उपकरण स्थापित हो पाए न ही डाक्टर व अन्य स्टाफतैनात हो सका। ट्रामा सेंटर के संचालन के विषय में नगर विधायक राकेश राठौर ने तीखे शब्दों के बाण जरूर चलाए। लेकिन, उन्होंने भी ऐसा कुछ भी नहीं किया, जिससे ट्रामा सेंटर चालू हो पाता। वैसे स्वास्थ्य विभाग ने कोरोना की प्रथम व दूसरी लहर में ट्रामा सेंटर के भवन का उपयोग शेल्टर होम की तरह जरूर कर लिया था। ट्रामा सेंटर का संचालन शुरू नहीं होने से लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। ट्रामा सेंटर शुरू हो जाए तो सड़क हादसों में घायल होने वालों को शीघ्र और बेहतर इलाज मिल सकता है। कई बार घायल समय से लखनऊ नहीं पहुंच पाते, इसलिए उनकी मौत हो जाती है। सीएमओ डा. मधु गैरोला बताती हैं कि ट्रामा सेंटर में अस्थि रोग विशेषज्ञ और एक डाक्टर नियुक्त हो गए हैं। इस तरह अब दो डाक्टर हो गए हैं। उपकरणों के बारे में उनका कहना है कि कुछ जरूरी उपकरण मिल भी गए हैं। लेकिन, जो ट्रामा सेंटर में रोगियों को सुविधाएं मिलनी चाहिए, वे स्टाफके अभाव में मिलना संभव नहीं हो पा रही हैं। महोली के वरुण मिश्र वीरू ने बताया कि ट्रामा सेंटर का भवन बनाकर खड़ा कर दिया। लेकिन, वहां उपकरण हैं न ही स्टाफ। इस तरह जनता के रुपये की बर्बादी का क्या मतलब है। स्वास्थ्य विभाग ने कोरोना में ट्रामा सेंटर को शेल्टर होम की तरह प्रयोग किया।

दुबई एक्सपो-2020: एक्सपो में दिख रही है न्यू इंडिया की झलक

संवाददाता

यूएई के विदेश मामलों और इंटरनेशनल कॉरपोरेशन के मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान ने दुबई एक्सपो-2020 में बने इंडिया पवेलियन का दौरा किया जहां भारत के महावाणिज्यदूत डॉ0 अमन पुरी ने उनका स्वागत किया। इस दौरान मंत्री नाहयान ने हाल ही में अबू धाबी में हुए आतंकी हमले में मारे गए 2 भारतीय नागरिकों की दुखद मौत पर शोक व्यक्त किया। इस बारे में बुधवार को दुबई स्थित भारतीय दूतावास ने ट्वीट कर जानकारी दी है।

यूएई के शेख अब्दुल्ला बिन जायद ने इंडिया पवेलियन का किया दौरा।

अपने ट्वीट में दूतावास ने लिखा कि यूएई के विदेश मामलों और इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन के मंत्री हिज हाइनेस शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान ने दुबई एक्सपो 2020 में बने इंडिया पवेलियन का दौरा किया। महावाणिज्यदूत डॉ0 अमन पुरी ने उनका स्वागत किया। शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान ने हाल ही में अबू धाबी में हुए आतंकी हमले में 02 भारतीय नागरिकों के दुखद निधन पर शोक व्यक्त किया।

यूएई के विदेश मंत्री ने अबू धाबी में हुए आतंकी हमले में मारे गए 02 भारतीय नागरिकों के निधन पर शोक व्यक्त किया।

इससे पहले मंगलवार को इंडिया पवेलियन में भारतीय महिलाओं के सहयोग से एक नेटवर्किंग सत्र का आयोजन किया था जहां भारत की महिला उद्यमियों ने अपनी यात्रा और उपलब्धियों की कहानियों को साझा किया था। महावाणिज्य दूत डॉ. अमन पुरी ने इंडियन वुमेन दुबई (आईडब्ल्यूडी) के सदस्यों को उनकी सफ्लता और आज समाज में एक प्रेरणा बनने के लिए उन्हें बधाई दी। इस बार 'दुबई एक्सपो 2020' एक साल देर से शुरू हो रहा है। कोरोना की वजह से ये मेगा इवेंट एक अक्टूबर से 31 मार्च 2022 के बीच आयोजित हो रहे हैं।

इवेंट में भारत सहित दुनिया के 190 से ज्यादा देश शामिल हैं। एक्सपो में भारत के पवेलियन में मिनी इंडिया की झलक दिखाई दे रही है। इसमें स्पेस, योग और न्यू इंडिया की क्षमता को दुनिया से परिचित कराया जा रहा है। एक्सपो का इतिहास 170 साल पुराना है। पहली बार यह एक्सपो लंदन के आइकॉनिक क्रिस्टल पैलेस में हुआ था। जिसका नाम 'दी ग्रेट एग्जीबिशन' रखा गया था।

राष्ट्रीय युवा वाहिनी के राष्ट्रीय महासचिव डा. राजीव लोचन शुक्ला के आवास पर स्वागत समारोह आयोजित

संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का राष्ट्रीय युवा वाहिनी के राष्ट्रीय महासचिव डा. राजीव लोचन शुक्ला के आवास पर जिला अध्यक्ष शिवम राजपूत ने मल्यार्पण कर स्वागत किया और राष्ट्रीय महासचिव युवा वाहिनी ने अपने उद्बोधन में कहा कि कड़ी परीक्षा का समय है तन मन धन से लगना है।योगी सरकार की उपलब्धियों के बारे मे बताया। जिला अध्यक्ष शिवम राजपूत ने अपनी कार्यकारिणी के पान साथ रामगोपाल जिला उपाध्याय मुकेश राजपूत जिला महामंत्री मीडिया प्रभारी हरेंद्र वर्मा कोशाध्याक्ष कृष्ण बाबू प्रचार मंत्री अनिल कुमार आदि ने अपने विचार विमर्श किये। देव प्रकाश शुक्ला रा. अध्यक्ष ने अपने सभी पदाधिकारियों को योगी सरकार की उपलब्धियां बताई। भारतीय जनता पार्टी के सहयोग के लिए सबने जोश भरा। अतुल राजपूत निजी सचिव राष्ट्रीय महासचिव ने सबका साथ सबका विकास नारे को बुलंद किया। अंत में डॉ राजीव लोचन शुक्ला राष्ट्रीय महासचिव ने सभी पदाधिकारियो का आभार व्यक्त किया।

पूर्व सभासद शाहीन बेगम ने जरूरतमंदों को ठंड से बचाने के लिए कंबल वितरण किए

महोना बीकेटी लखनऊ। हाड़ कंपा देने वाली ठंड को देखते हुए पिछड़ा मुस्लिम मोमिन समाज संगठन की महिला विंग की प्रदेशाध्यक्ष पूर्व पार्षद सदस्य जिला नीति आयोग की सदस्य मोहतरमा शाहीन बेगम ने बेसहारा जरूरतमंदों एवं गरीब महिलाओं को ठंडक से बचाने के लिए सैयद रशीद मियां की दरगाह शरीफ पर रह रहे लोगों को कंबल वितरण किया। वहीं पर पिछड़ा मुस्लिम मोमिन समाज संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवक्ता मोहम्मद अकील खान ने कहा कि संगठन ने हमेशा जरूरतमंद एवं गरीबों को हर संभव मदद होती है चाहे कोविड-19 के समय प्रदेश में लगा लॉक डाउन रहा हो या फिर किसी भी दैवीय आपदा में गरीबों एवं जरूरतमंद एवं बेसहारा लोगों को खाद्यान्न सामग्री को भी जरूरतमंदों के घरों तक पहुंचाने का काम पिछड़ा मुस्लिम मोमिन समाज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष शाहनवाज अहमद की अनुमति से एवं संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवक्ता मोहम्मद अकील खान के द्वारा चाहे खाद्यान्न सामग्री का वितरण हो या फिर गर्म कपड़ों का वितरण हो एवं गरीबों एवं जरूरतमंदों को कंबल वितरण करके ठंडक से बचाने का कार्य किया वहीं पर नगर पंचायत महोना चौकी के प्रभारी योगेश उपाध्याय रोहित वर्मा के साथ संगठन के प्रदेश कोषाध्यक्ष प्रदेश सचिव हाशिम बेग प्रदेश महासचिव मोहम्मद रईस इकबाल अफ्जल इलियास अहमद सपा युवा नेता मोहम्मद तौहीद खानके साथ सैयद रशीद मियां साहब की दरगाह पर बीमार एवं गरीब एवं मजबूर लोगों को ठंड से बचाने की नियत से कंबल वितरण किए गए दरगाह शरीफ पर रह रही वृद्ध राजरानी, सुमन, शिवकली, आमिना, मन्नो, चमेली, फातिमा, सकीना, ललिता, मोहम्मद सैफ आदि को कंबल वितरण किए गए जिससे यह लोग ठंड से बच सके।

इटावा के ग्वालियर रोड पर स्थित प्रसिद्ध बाबा विश्वनाथ मंदिर में राष्ट्रीय युवा वाहिनी की बैठक सम्पन्न

संवाददाता

लखनऊ। इटावा के ग्वालियर रोड पर स्थित प्रसिद्ध बाबा विश्वनाथ मंदिर में राष्ट्रीय युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय देव प्रकाश शुक्ला जी की उपस्थिति में कानपुर मंडल व इटावा जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें भारत को हिंदू राष्ट्र का दर्जा दिलाने व गाय को गौ माता का दर्जा देने धारा धारा 30 को लागू करने वर्ष सनातन धर्म की रक्षा करने हेतु माननीय योगी जी को दोबारा मुख्यमंत्री बनाने के लिए देश व प्रदेश के अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में बैठक का आयोजन किया गया जिसमें राष्ट्रीय संयोजक पीसी मिश्रा कानपुर मंडल प्रभारी सागर सोनी जी व प्रदेश के साथ संगठन मंत्री राजीव मिश्रा कथा इटावा जिले के जिला अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ युवा प्रकोष्ठ शिवम दुबे व महिला मोर्चा की तरफ से बुंदेलखंड प्रभारी नेहा मिश्रा उपस्थित रहे तथा इस बैठक में संगठन के कुछ नवनियुक्त प्रदेश जिला स्तरीय व महिला मोर्चा की पदाधिकारी व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निघासन सीट पर पांच बार कांग्रेस और चार बार भाजपा रही काबिज

लखीमपुर। निघासन विधानसभा सीट पर पांच बार कांग्रेस और चार बार भाजपा का कब्जा रहा है। 2022 के विधानसभा चुनाव में भी सभी दलों ने जोर आजमाइश शुरू की है। निघासन में चुनावी समर का असर दिखने लगा है। आरोप प्रत्यारोप के सियासी तीर छोड़े जा रहे हैं। वर्ष 1985 के बाद भाजपा, सपा और बसपा ही इस सीट पर काबिज रही है। वर्तमान में भी भाजपा का कब्जा बरकरार है। निघासन विधानसभा में जातिगत समीकरण की बात करें तो उसके आधार पर अनुसूचित जाति, मुस्लिम और मौर्या निर्णायक मतदाता माने जाते हैं। तिकुनिया हिसा के चलते इस सीट पर लोगों की विशेष नजरें टिकी हैं। बसपा ने जातिगत आधार पर ही मनमोहन मौर्य को निघासन से प्रत्याशी घोषित किया है।

कोरोना के चलते छोटे लोहिया पं. जनेश्वर मिश्र की सादगी के साथ मनाई गई पुण्यतिथि

संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय कैसरबाग लाजपत नगर लखनऊ में देश और दुनिया में छोटे लोहिया के नाम से विख्यात पंडित जनेश्वर मिश्र की पुण्यतिथि कोरोना की गाइडलाइन को पालन करते हुए सादगी के साथ मनाई गई। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष समाजवादी पार्टी लखनऊ जय सिंह जयंत, जिला महासचिव शब्बीर खान, मोहनलालगंज सपा विधायक अमरीश सिंह पुष्कर, जिला अध्यक्ष चिकित्सा प्रकोष्ठ समाजवादी पार्टी लखनऊ डॉक्टर मोहन लाल पासी, जिला अध्यक्ष लोहिया वाहिनी सपा शशिलेन्द्र सिंह यादव, जिला सचिव चिकित्सा प्रकोष्ठ सपा लखनऊ आंशु रावत, विधानसभा अध्यक्ष एससी प्रकोष्ठ सरोजनी नगर दिनेश कुमार एवं अनेक कार्यकर्ताओं ने पंडित जनेश्वर मिश्र को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए चित्र पर पुष्प अर्पित किए। जिला अध्यक्ष जय सिंह जयंत ने श्रद्धेय पंडित जनेश्वर मिश्र के संघर्षमय जीवन पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित पार्टी जनों को बताया कि पंडित जनेश्वर मिश्र का जन्म 5 अगस्त 1933 को जनपद बलिया के शुभनथहीं गांव में हुआ था। इनके पिता रंजीत मिश्र एक किसान थे। बलिया में प्राथमिक शिक्षा पूरी करने के बाद 1953 में अपनी उच्च शिक्षा इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पूरी की। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र संघ के अध्यक्ष भी रहे। पंडित जनेश्वर मिश्र एक महान राजनेता थे। समाजवादी विचारधारा के प्रति उनकी दृढ़ निष्ठा के कारण ही देश और दुनिया में छोटे लोहिया के नाम से विख्यात है। वह कई बार लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य रहे। उन्होंने मोरारजी देसाई, चौधरी चरण सिंह, विश्वनाथ प्रताप सिंह, चंद्रशेखर, एच डी देवगौड़ा और इंद्र कुमार गुजराल के मंत्री मंडल में केन्द्रीय मंत्री रहकर काम किया। 7 बार केंद्रीय मंत्री रहने के बाद भी इनके पास न अपनी गाड़ी थी और न ही अपना बंगला। पंडित जनेश्वर मिश्र जी का निधन 22 जनवरी 2010 को हो गया। इनके नाम पर लखनऊ में एशिया का सबसे बड़ा सुंदर पार्क सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव की प्रेरणा से प्रदेश के पूर्व युवा यशस्वी मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा बनवाया गया।

राष्ट्रीय युवा वाहिनी के आगरा मण्डल के पदाधिकारियों द्वारा प्रसिद्ध कैलाश मंदिर में किया गया रुद्राभिषेक

संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय युवा वाहिनी के आगरा मण्डल के पदाधिकारियों के द्वारा सनातन धर्म की रक्षा भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने गाय को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने हेतु माननीय योगी जी को दुबारा मुख्य मन्त्री बनाने हेतु . आगरा के कैलाश मंदिर में भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया गया. उसके बाद एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें संगठन के विस्तार व संगठन कि विचार धारा को जन जन तक पहुँचने व भारतीय जनता पार्टी को दुबारा जीत दिलाने हेतु अचार संहिता का पालन करते हुये .प्रिंट मीडिया , इलेक्ट्रानिक मीडिया व सोशल मीडिया के माध्यम से अपने विचारो को लोगो तक पहुँचने व कयी अन्य मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया. आज के इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री देव प्रकाश शुक्ला जी. राष्ट्रीय संयोजक . पी 0 सी? मिश्रा जी व आगरा मण्डल के पदाधिकारी नीतू जैन (प्रदेश संगठन मंत्री)महिला मोर्चा . रचना जिंदल (मण्डल अध्यक्ष) महिला मोर्चा जी ,शिव कुमार लवानिया जी (जिला अधक्ष) आगरा आदित्य सिंह (मण्डल उपाध्यक्ष)मयंक मिश्रा जी (नगर उपाध्यक्ष) व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे .

निया शर्मा

ने पोल डांस को बताया मौत का फरमान

एक्ट्रेस निया शर्मा पिछले कुछ वक्त से डांस सीख रही हैं और फैंस को इस बारे में लगातार अपडेट दे रही हैं। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली निया शर्मा ने फैंस के साथ अभी तक अपनी दिलकश अदाओं के वीडियो शेयर किए थे जिन पर उन्हें काफी तारीफें भी मिलीं। हालांकि अब उन्होंने इस डांस फॉर्म को सीखने में होने वाली मुश्किलों और तकलीफों के बारे में फैंस को बताया है। निया शर्मा ने अपने कुल 2 वीडियो शेयर किए हैं जो खूब शेयर किए जा रहे हैं।

पोल डांस या मौत का फरमान ?

वीडियो में निया शर्मा पोल का सहारा लेकर काफी मुश्किल डांस मूव्स करती दिखाई पड़ रही हैं। दूसरी क्लिप में भी उन्हें काफी मुश्किल स्टेप करते देखा जा सकता है जिसमें उन्हें परेशान होते हुए भी देखा जा सकता है। निया शर्मा ने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा, लोग इसे मौत का फरमान कहने की बजाए पोल डांस क्यों कहते हैं।

सेलेब्स ने किए ये कमेंट

निया शर्मा ने लिखा, ये अपनी खुद की मौत का फरमान गा कर सुनाने जैसा है। निया शर्मा ने अपनी डांस कोरियोग्राफर लिप्सा आचार्य को टैग करते हुए लिखा कि इस सबके लिए लिप्सा जिम्मेदार नहीं है। निया शर्मा की इस पोस्ट पर कई दिग्गज सेलेब्रिटीज और बेहिसाब फैंस ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

ऐसा है फैंस का रिएक्शन

निया शर्मा की पोस्ट पर कमेंट करते हुए रुबीना दिलैक ने लिखा, %वाओ गर्ल%। प्रियांक शर्मा ने क्लैप इमोजी बनाकर अपनी प्रतिक्रिया दी है और शांतनू माहेश्वरी ने रॉक इमोजी बनाया है। एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा- ये नए लोगों के लिए मौत का फरमान है। लेकिन जो पुराने खिलाड़ी होते हैं उन्हें सब कुछ बहुत आसान लगता है। ढेरों फैंस हर्ट और फायर इमोजी बनाकर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

नव्या नवेली

को साड़ी में देख कायल हुए मामा अभिषेक बच्चन, लेकिन सफेद बालों ने बढ़ा दी स्टार किड की परेशानी

अभिनेता अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से अपनी दो शानदार तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह पिंक साड़ी में अपने सफेल बालों को दिखा रही हैं। हालांकि उनके सफेद बालों से उनकी खूबसूरती पर कोई असर नहीं पड़ता दिख रहा है, बल्कि इससे उनका लुक और भी शानदार लग रहा है। ये दावा हम नहीं बल्कि स्टार किड के फैंन कर रहे हैं। नव्या की फोटो को फैंस हाथों-हाथ लेते हुए इसे खूब शेयर कर रहे हैं और उनके पोस्ट पर उनकी खूबसूरती के पूल बांध रहे हैं। नव्या के पोस्ट पर फैंस के अलावा बॉलीवुड सितारे भी कॉमेंट कर उनके लुक को लाइक कर रहे हैं।

क्या सफेद बालों ने बढ़ा दी नव्या की टेंशन

नव्या नवेली नंदा अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी लेटेस्ट फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखती हैं- स्पेशल- मेरे सफेद बाल। पहली फोटो में नव्या जहां हंसती -खिलखिलाती दिख रही हैं तो वहीं दूसरी फोटो में वह थोड़ी मायूस लग रही हैं। लग रहा है कि वह अपने सफेद बालों को लेकर चिंचित है।

फोटो में प्यारी दिखीं नव्या

सामने आई लेटेस्ट फोटो में नव्या पिंक साड़ी में दिख रहे हैं , जिसके बॉर्डर पर ह्वाइट धागे से कढ़ाई की गई है। उन्होंने इस साड़ी को मैचिंग ब्लाउज के साथ पहना हुआ है। अपने लुक को उन्होंने एक शानदार हार, झुमके, छोटी बिंदी और लाइट मेकअप के साथ कंप्लीट किया है। खुले बालों में नव्या प्यारी लग रही हैं।

फैंस सहित अभिषेक बच्चन ने भी किया तारीफ

नव्या ने जैसे ही अपने इस लुक को फैंस के साथ शेयर कीं, ठीक वैसे ही उनका पोस्ट वायरल हो गया। कुछ घंटों के अंदर नव्या के पोस्ट पर अबतक 57 हजार लोगों ने लाइक किया है। खास बात ये है नव्या के लुक को उनके मामा एक्टर अभिषेक बच्चन ने हगिंग का इमोजी बनाते हुए कॉमेंट किया। इसके बाद एक्ट्रेस नेहा धूपिया के पति अंगद बेदी ने उन्हें कॉमेंट कर बहुत बहुत सुंदर कहा है। इसके इतर फैंस हार्ट , फ्लावर और फायर इमोजी शेयर कर नव्या के लुक की तारीफें कर रहे हैं। इसके अलावा उन्हें इस बात की तसल्ली दे रहे हैं कि भले आपके बाल सफेद हो रहे हैं लेकिन आप बहुत प्यारी और खूबसूरत लग रही हैं।

शादी की सालगिरह पर नीतू कपूर का भावुक पोस्ट, ऋषि के साथ शेयर की खास फोटो

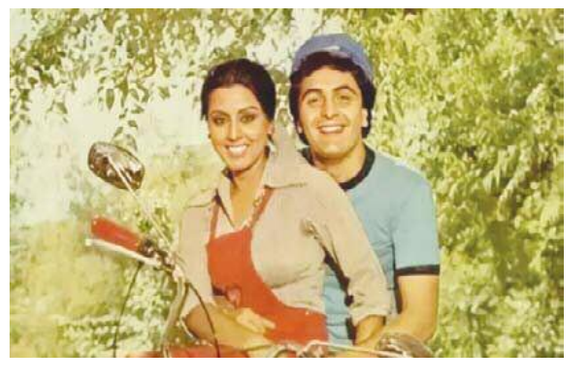

ऋषि कपूर अब इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन उनके चाहने वाले उनकी फिल्मों के जरिए उन्हें याद करते रहते हैं। उनकी पत्नी नीतू कपूर सोशल मीडिया पर ऋषि से जुड़ी तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। 22 जनवरी को उनकी शादी की 42वीं सालगिरह है इस मौके पर नीतू कपूर ने ऋषि को याद करते हुए इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया। इसके साथ उन्होंने जो फोटो शेयर की है वह तब की है जब दोनों द कपिल शर्मा शो में पहुंचे थे। तस्वीरों में वे किसी बात पर ठहाके लगा रहे हैं।

सितारों ने किया कमेंट

नीतू ने दो तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा- 'यादों के लिए।' आगे उन्होंने हार्ट का इमोजी बनाया। नीतू के इस पोस्ट पर उनकी बेटी रिद्धिमा ने कमेंट करते हुए हार्ट का इमोटिकॉन शेयर किया। उनके अलावा सोफी चौधरी और महीप कपूर ने भी कमेंट किया है।

फैन्स के रिएक्शन

ऋषि कपूर के एक फैन लिखते हैं, 'उन्हें हम याद करते हैं।' एक दूसरे यूजर ने कहा, 'ढेर सारा प्यार।' एक फैन ने कहा, 'दुनिया के सबसे ब्यूटीफुल कपल।' एक यूजर लिखते हैं, 'आप दोनों हमारे दिलो में रहते हैं।'

चिट्ठी लिखकर कही थी दिल की बात

कपिल के शो में नीतू कपूर ने बताया था कि ऋषि कपूर ने उन्हें पेरिस से चिट्ठी लिखकर अपनी दिल की बात कही थी। उस वक्त वह श्रीनगर में 'कभी-कभी' की शूटिंग कर रही थीं। साल 1980 में ऋषि और नीतू शादी के बंधन में बंधे। उनके दो बच्चे रणबीर कपूर और रिद्धिमा कपूर हुए। रणबीर कपूर जहां अपने पैरेंट्स के नक्शेकदम पर चलते हुए अभिनय के क्षेत्र में करियर बनाया वहीं रिद्धिमा लाइमलाइट से दूर ज्वैलरी डिजाइनिंग के क्षेत्र में हैं।

पुष्पा के गाने पर उर्फी की दिलफेंक अदाएं, ट्रोल बोले, क्या-क्या देखना पड़ रहा है

बिग बॉस OTT फेम एक्ट्रेस उर्फी जावेद अपने बोल्ड अंदाज के लिए लगातार सुर्खियों में बनी रहती हैं। उर्फी अतरंगी कपड़े पहनने के लिए जानी जाती हैं और वह आए दिन अजीबोगरीब कपड़े पहनकर किसी पब्लिक प्लेज में नजर आ जाती हैं। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली उर्फी कई बार ऐसे कपड़ों में अपनी तस्वीरें और वीडियो भी शेयर कर देती हैं। हाल ही में उन्होंने साड़ी और रिप्ड ब्लाउज में अपना एक वीडियो शेयर किया है।

पुष्पा के गाने पर उर्फी की अदाएं

उर्फी जावेद का ये वीडियो इंटरनेट पर आग की तरह फैल गया है। वीडियो में उर्फी जावेद ब्लॉकबस्टर फिल्म पुष्पा के गाने तेरी नजर अशर्फी पर दिलकश अदाएं दिखा रही हैं। उर्फी के इस वीडियो को सिर्फ एक घंटे में बेहिसाब लोगों ने लाइक और शेयर कर दिया है। हालांकि उर्फी जावेद को ट्रोल करने वालों की भी कोई कमी नहीं है।

ट्रोल बोले- क्या क्या देखना पड़ रहा है

एक ट्रोल ने हंसने वाले कई इमोजी बनाकर लिखा, क्या ही कहूं.. मेरे पास शब्द नहीं हैं। एक अन्य ट्रोल ने लिखा, क्या क्या देखना पड़ रहा है। उसे कोई तो शो ऑफर कर दो। एक इंस्टा यूजर ने कमेंट किया, कितना एक्सपोज करोगी। तुम इतनी भी गरीब नहीं हो कि हर बार तुम्हें आधे कपड़े उतारने पड़ते हैं।

जावेद अख्तर से जोड़ा गया था नाम

इसी तरह के ढेरों कमेंट उर्फी के इस वीडियो पर किए गए हैं। बता दें कि उर्फी जावेद बिग बॉस ह्वज्ञज्ञ का हिस्सा बनी थीं लेकिन पहले ही एविक्शन में उन्हें बाहर कर दिया गया था। इसके बाद से वह लगातार ऐसे अतरंगी कपड़ों में नजर आती रही हैं। उर्फी जावेद का नाम दिग्गज लिरिक्स राइटर जावेद अख्तर से भी जोड़ा जा चुका है जिसके बाद अख्तर परिवार ने इस पर सफाई दी थी।

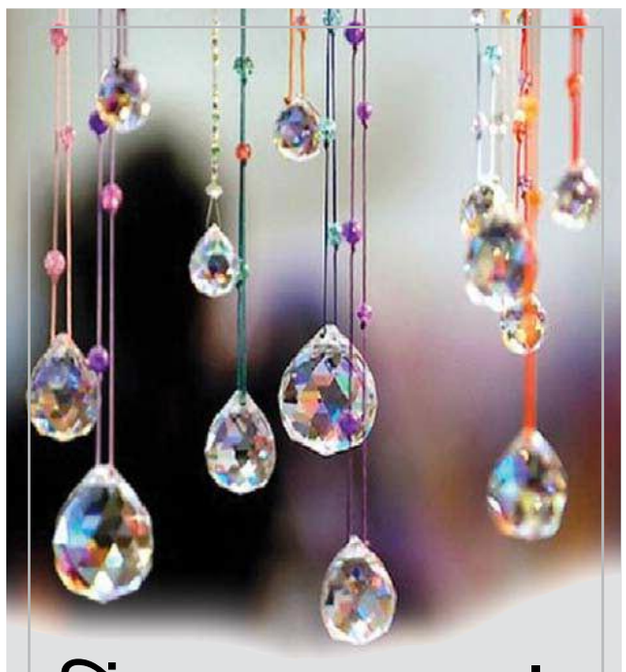

विंड चाइम कहां और कैसे लगाएं

विंड चाइम के एक अलग स्वरूप का भारत में प्राचीन काल से ही उपयोग होता आया है। दरअसल, यह बौद्ध संस्कृति की देने है। चायनीज ज्योतिष फेंगशुई में विंड चाइम का बहुत महत्व है। आओ जानते हैं इसके 10 खास चमत्कारिक फायदे।

क्या होती है विंड चाइम

छोटी-छोटी घंटियों के बंच को विंड चाइम कहते हैं। यह कई प्रकार की घंटियों से बनती है। इसीलिए यह कई तरह की वैरायटी में मिलती है। जैसे गोल स्तूप जैसी घंटी, हिन्दू मंदिरों की घंटियों जैसी घंटी या पतली नली वाली। भारी, हल्की, बड़ी, छोटी और रंगीन कई तरह की घंटियां बाजार में मिलती है जिन्हें पवन घंटी भी कहते हैं। इसके आलावा मेटल, क्रिस्टल, बांस, लकड़ी और फाइबर के विंड चाइम देखने को मिलते हैं। साथ ही मिट्टी के विंड चाइम भी मौजूद हैं। इनमें बांस और मिट्टी के विंड चाइम की विशिष्ट आवाज के कारण आजकल ये बहुतायत प्रयोग किए जा रहे हैं।

कहां लगाएं :

- इसे घर के मुख्य दरवाजे, मध्य के दरवाजे या खिड़कियों में लटकाते हैं।
- फूलों और पक्षियों के साथ भी इनका मधुर रिश्ता है। इस कारण लोग बकायदा इसे अपने छोटे से गार्डन और लॉन में छोटे पेड़-पौधों के साथ लगा देते हैं।
- टैरेस, दरवाजे, गार्डन या फिर लॉन में पेड़-पौधों में लगाकर प्रकृति के मधुर संगीत का मजा ले सकते हैं।
- हर तरह की विंड चाइम लगाने की दिशा और स्थान अलग अलग होते हैं। जैसे धातु से बनी विंड चाइम हमेशा पश्चिम या उत्तर-पश्चिम दिशा में लगाएं, क्योंकि इन दिशाओं में यह भाग्योदय कराती हैं।
- पवन घंटी हमेशा सकारात्मकता ही पैदा करती हैं, आप चाहें तो इसे साज-सज्जा के रूप में लिविंग रूम में भी लगा सकते हैं।
- कांच की बन पवन घंटियां भी घर की शोभा बढ़ा सकती है, लेकिन यह अगर भारी हुई तो मधुर आवाज पैदा नहीं करेंगी।

विंड चाइम लगाने के फायदे

- इससे घर के अंदर हमेशा सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है।
- घर में खुशियों का माहौल बना रहता है और रिश्तों में सुधार होता है। इसकी मधुर आवाज माहौल को खुशनुमा बनाए रखती है।
- इससे घर में सुख, शांति और संपन्नता आती है।
- इससे वास्तु दोष मिटता है और भाग्योदय होता है। अगर आप अपना सोया हुआ भाग्य जगाना चाहते हैं तो 6 या 8 रॉड वाली पवन घंटी लाकर घर में लगाएं।
- इससे घर की सुंदरता बढ़ती है।
- लकड़ी की बनी पवनघंटी प्राकृतिक दिखने के साथ ही घर-गृहस्थी के मामले में शुभ मानी जाती है। इसे दक्षिण-पूर्व दिशा में लगाना हमेशा शुभ होता है।
- नाम और पैसे की चाहत हो, तो घर के उत्तर-पश्चिम में पीले रंग की 6 रॉड वाली पवन घंटी लगाएं।
- इसी प्रकार 2 या 9 घंटियों वाली सेरेमिक की बनी पवन घंटी आपको मान-प्रतिष्ठा और यश प्रदान करती है। इसे घर में दक्षिण-पश्चिम दिशा में लगाना शुभ होता है।
- अगर अपना सामाजिक दायरा बढ़ाना चाहते हैं, तो सिल्वर रंग की 7 रॉड लगी पवन घंटी को घर की पश्चिम दिशा में लगा सकते हैं।
- अलग-अलग रंगों वाली रंगबिरंगी पवनघंटी माहौल को खुशनुमा बनाए रखती है और जीवन में खुशियां भर देती हैं।

षटतिला एकादशी के दिन भगवान श्री विष्णु का पूजन करने तथा नहाने के जल में तिल मिलाकर स्नान करने, तिल का दान तथा तिल से हवन और तर्पण आदि करने का बहुत महत्व है। मान्यतानुसार इस दिन तिल का अधिक से अधिक उपयोग करने से ज्यादा पुण्य फल मिलता है। वर्ष 2022 में पहले माह यानी जनवरी का यह दूसरा एकादशी व्रत है, जो कि शुक्रवार को मनाया जाएगा।

षटतिला एकादशी कब है, व्रतकथा सहित जानिए मंत्र, शुभ मुहूर्त, महत्व पूजा विधि और पारण का समय

वर्ष 2022 में शुक्रवार, 28 जनवरी को षटतिला एकादशी मनाई जाएगी। इस एकादशी का अपने नाम के अनुसार ही तिल का बहुत महत्व माना गया है। इस दिन भगवान श्री विष्णु का पूजन करने तथा नहाने के जल में तिल मिलाकर स्नान करने, तिल का दान तथा तिल से हवन और तर्पण आदि करने का बहुत महत्व है। मान्यतानुसार इस दिन तिल का अधिक से अधिक उपयोग करने से ज्यादा पुण्य फल मिलता है। वर्ष 2022 में पहले माह यानी जनवरी का यह दूसरा एकादशी व्रत है, जोकि शुक्रवार को मनाया जाएगा। माघ मास के इस एकादशी के व्रत से सभी पापों का नाश होता है।

पूजा विधि

- माघ मास की दशमी, एकादशी के दिन मनुष्य को स्नान आदि करके शुद्ध रहना चाहिए।
- इंद्रियों को वश में करके काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, ईर्ष्या तथा द्वेष आदि का त्याग कर भगवान का स्मरण करना चाहिए।
- एकादशी के दिन सफेद तिल का उबटन लगाकर पानी में तिल मिलाकर स्नान करना चाहिए।
- स्नानादि नित्य क्रिया से निवृत्त होकर श्री विष्णु भगवान का पूजन करें और एकादशी व्रत धारण करें।
- इस दिन तिल स्नान और तिलयुक्त भोजन का दान दोनों ही श्रेष्ठ हैं। इस प्रकार जो मनुष्य जितने तिलों का दान करता है, उतने ही हजार वर्ष स्वर्ग में वास करता है।
- एकादशी तिथि के दिन पुण्य देने वाले नियमों को ग्रहण करें।
- उसके दूसरे दिन धूप-दीप, नैवेद्य आदि से भगवान का पूजन करके खिचड़ी का भोग लगाएं।
- फिर पेठा, नारियल, सीताफल या सुपारी का अर्घ्य देकर स्तुति करें- हे भगवान! आप दीनों को शरण देने वाले हैं, इस संसार सागर में फंसे हुओं का उद्धार करने वाले हैं। हे पुंडरीकाक्ष! हे विश्वभावन! हे सुब्रहमण्य! हे पूर्वज! हे जगत्पते! आप लक्ष्मीजी सहित इस तुच्छ अर्घ्य को ग्रहण करें।
- इसके पश्चात जल से भरा कुंभ (घड़ा) ब्राह्मण को दान करें तथा ब्राह्मण को श्यामा गौ और तिल पात्र देना भी उत्तम है।
- इस व्रत के करने से अनेक प्रकार के पाप नष्ट हो जाते हैं तथा मनुष्य को मोक्ष की प्राप्ति होती है।
- अगर पुष्य नक्षत्र में गोबर, कपास और तिल मिलाकर बने कंडों से 108 बार हवन करने से जीवन में पुण्य का उदय होता है तथा श्री विष्णु की कृपा प्राप्त होती है।
- इस दिन रात्रि को जागरण करना चाहिए।
- इस दिन 1.तिल स्नान, 2.तिल का उबटन, 3.तिल का हवन, 4.तिल का तर्पण, 5 तिल का भोजन और 6.तिलों का दान- ये तिल के 6 प्रकार हैं। इनके प्रयोग के कारण यह षट्तिला एकादशी कहलाती है तथा इसका बहुत पुण्य प्राप्त होता है।

पूजन के मुहूर्त

एकादशी की तिथि- माघ कृष्ण एकादशी।
शुक्रवार, 28 जनवरी को षट्तिला एकादशी तिथि 2.16 मिनट शुरू होगी तथा रात्रि 1135 मिनट पर एकादशी समाप्त होगी।
अतः षटतिला एकादशी व्रत 28 जनवरी ही को रखा जाएगा।
इस दिन पूजन के लिए विशेष तौर पर अभिजित और विजय मुहूर्त बन रहे हैं।
इसमें अभिजित मुहूर्त दोपहर 12.13 मिनट से दोपहर 12.56 तक।
विजय मुहूर्त दोपहर 222 मिनट से दोपहर 3.05 मिनट तक रहेगा।
शुक्रवार को राहुकाल का समय-
प्रातः10:30 से दोपहर 12:00 तक रहेगा।
इस समय पूजन न करें।
षट्तिला एकादशी पारण/व्रत तोड़ने का समय- 29 जनवरी को 07.11 सुबह से 09:20 सुबह तक।
पारण तिथि द्वादशी समाप्त होने का समय - 08:37 पी एम

मंत्र

1.ऊँ हूं विष्णवे नमः।
2. ऊँ नारायणाय नमः।
3.ऊँ विष्णवे नमः।
4.ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय नमः।
5.ऊँ ह्रीं श्रीं लक्ष्मीवासुदेवाय नमः
6.ऊँ नारायणाय विद्महे। वासुदेवाय धीमहि। तन्नो विष्णु प्रचोदयात।।
7.ऊँ नमो नारायण। श्री मन नारायण नारायण हरि हरि।

षटतिला एकादशी कथा

षट्तिला एकादशी की कथा के अनुसार प्राचीन काल में मृत्युलोक में एक ब्राह्मणी रहती थी। वह सदैव व्रत किया करती थी। एक समय वह एक मास तक व्रत करती रही। इससे उसका शरीर अत्यंत दुर्बल हो गया। यद्यपि वह अत्यंत बुद्धिमान थी तथापि उसने कभी देवताओं या ब्राह्मणों के निमित्त अन्न या धन का दान नहीं किया था। इससे मैंने सोचा कि ब्राह्मणी ने व्रत आदि से अपना शरीर शुद्ध कर लिया है, अब इसे विष्णुलोक तो मिल ही जाएगा परंतु इसने कभी अन्न का दान नहीं किया, इससे इसकी तृप्ति होना कठिन है।
भगवान ने आगे कहा- ऐसा सोचकर मैं भिखारी के वेश में मृत्युलोक में उस ब्राह्मणी के पास गया और उससे भिक्षा मांगी। ब्राह्मणी बोली- महाराज किसलिए आए हो? मैंने कहा- मुझे भिक्षा चाहिए। इस पर उसने एक मिट्टी का ढेला मेरे भिक्षापात्र में डाल दिया। मैं उसे लेकर स्वर्ग में लौट आया। कुछ समय बाद ब्राह्मणी भी शरीर त्याग कर स्वर्ग में आ गई।
उस ब्राह्मणी को मिट्टी का दान करने से स्वर्ग में सुंदर महल मिला, परंतु उसने अपने घर को अन्नादि सब सामग्रियों से शून्य पाया। घबरा कर वह मेरे पास आई और कहने लगी कि भगवन मैंने अनेक व्रत आदि से आपकी पूजा की, परंतु फिर भी मेरा घर अन्नादि सब वस्तुओं से शून्य है। इसका क्या कारण है?
इस पर भगवान कहा- पहले तुम अपने घर जाओ। देवस्त्रियां आएंगी तुम्हें देखने के लिए। पहले उनसे षटतिला एकादशी का पुण्य और विधि सुन लो, तब द्वार खोलना। मेरे ऐसे वचन सुनकर वह अपने घर गई। जब देवस्त्रियां आईं और द्वार खोलने को कहा तो ब्राह्मणी बोली- आप मुझे देखने आई हैं तो षट्तिला एकादशी का माहात्म्य मुझसे कहो। उनमें से एक देवस्त्री कहने लगी कि मैं कहती हूं। जब ब्राह्मणी ने षट्तिला एकादशी का माहात्म्य सुना तब द्वार खोल दिया।
देवांगनाओं ने उसको देखा कि न तो वह गांधर्वी है और न आसुरी है वरन पहले जैसी मानुषी है। उस ब्राह्मणी ने उनके कथनानुसार षट्तिला एकादशी का व्रत किया। इसके प्रभाव से वह सुंदर और रूपवती हो गई तथा उसका घर अन्नादि समस्त सामग्रियों से युक्त हो गया। अतः मनुष्यों को मूर्खता त्याग कर षट्तिला एकादशी का व्रत और लोभ न करके तिलादि का दान करना चाहिए। इससे अनेक प्रकार के कष्ट, दुर्भाग्य, दरिद्रता दूर होकर मोक्ष मिलता है।

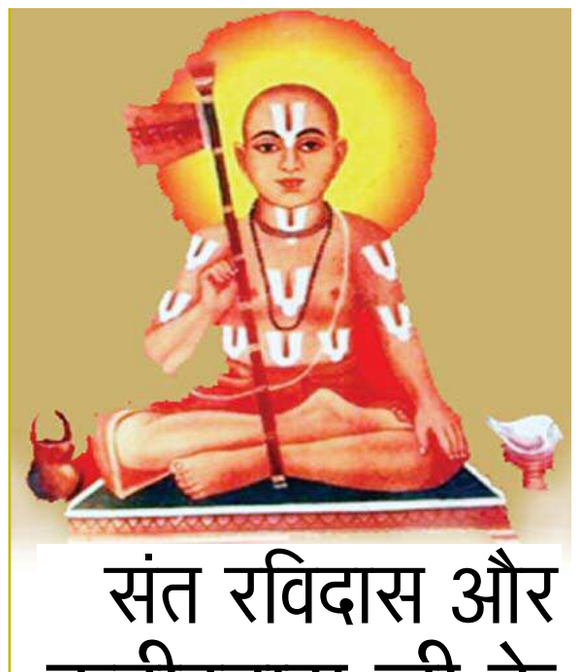

संत रविदास और कबीरदास जी के गुरु रामानंद के बारे में रोचक बातें

रामानंद अर्थात रामानंदाचार्य एक महान संत थे। वे वैष्णव भक्तिधारा के महान संत हैं। उन्होंने उत्तर भारत में वैष्णव सम्प्रदाय को पुनर्गठित किया तथा वैष्णव साधुओं को उनका आत्मसम्मान दिलाया। स्वामी रामानंदाचार्य का जन्म माघ माह की कृष्ण सप्तमी को हुआ था। आओ जानते हैं उनकी महानता की खास बातें।

जन्म के 3 वर्ष तक नहीं निकले घर से बाहर

रामानंद का जन्म प्रयाग में हुआ था। वशिष्ठ गोत्र कुल के होने के कारण वाराणसी के एक कुलपुरोहित ने मान्यता अनुसार जन्म के तीन वर्ष तक उन्हें घर से बाहर नहीं निकलने और एक वर्ष तक आईना नहीं दिखाने को कहा था। जहां रामानंद का जन्म हुआ उस स्थान को वर्तमान में श्री मठ प्राकट्य धाम कहा जाता है।

आठ वर्ष की उम्र में बने संत

आठ वर्ष की उम्र में उपनयन संस्कार होने के पश्चात उन्होंने वाराणसी पंच गंगाघाट के स्वामी राघवानंदाचार्यजी से दीक्षा प्राप्त की। तपस्या तथा ज्ञानार्जन के बाद बड़े-बड़े साधु तथा विद्वानों पर उनके ज्ञान का प्रभाव दिखने लगा। इस कारण मुमुक्षु लोग अपनी तृष्णा शांत करने हेतु उनके पास आने लगे।
बारह महान गुरुओं के गुरु थे रामानंद
रामानंदजी 1.संत अनंतानंद, 2.संत सुखानंद, 3.सुरासुरानंद , 4.नरहरीयानंद, 5.योगानंद, 6.पिपानंद, 7.संत कबीरदास, 8. संत सेजान्हावी, 9.संत धन्ना, 10.संत रविदास, 11.पद्मावती और 12.संत सुरसरी के गुरु थे।

राम रक्षा स्तोत्र उन्होंने लिखा

स्वामी रामानंद ने अनेक ग्रंथ लिखे थे। जिनमें से श्रीवैष्णव मताब्ज भास्कर, श्रीरामार्चन-पद्धति प्रमुख है। इसके अलावा गीताभाष्य, उपनिषद-भाष्य, आनन्दभाष्य, सिद्धान्त-पटल, राम रक्षा स्तोत्र, योग चिन्तामणि, रामाराधनम्, वेदान्त-विचार, रामानन्दादेश, ज्ञान-तिलक, ग्यान-लीला, आत्मबोध राम मन्त्र जोग ग्रन्थ, कुछ फुटकर हिन्दी पद और अध्यात्म रामायण भी है।

योगबल शक्ति से बादशाह को झुकाया

कहते हैं कि उनके काल में मुस्लिम बादशाह गयासुद्दीन तुगलक ने हिंदू जनता और साधुओं पर हर तरह की पाबंदी लगा रखी थी। इन सबसे छुटकारा दिलाने के लिए रामानंद ने बादशाह को योगबल के माध्यम से मजबूर कर दिया था और अंततः बादशाह ने हिंदुओं पर अत्याचार करना बंदकर उन्हें अपने धार्मिक उत्सवों को मनाने तथा हिंदू तरीके से रहने की छूट दे दी थी।
उन्हें भक्ति आंदोलन का महान संत माना जाता है। अवध चक्रवर्ती दशरथ नन्दन राघवेन्द्र की भक्ति के प्रवाह से उन्होंने भक्त आंदोलन को बढ़ाकर प्राणियों के मन को निर्मल कर दिया था। निम्नलिखित वाक्य उन्होंने ही कहा था कि.
जाति पाँति पूछै ना कोई।
हरि को भजै सो हरि का होई।
रामानंदाचार्य की धार्मिक परंपरा और संप्रदाय के अनुसार उन्होंने ईस्वी 1410 में देह त्याग दी थी।

माघ मास में किए जाते हैं कौन से 10 पुण्य के काम

माघ मास को बहुत ही पवित्र माह माना जाता है। इस माह के प्रारंभ होते ही मांगलिक कार्य प्रारंभ हो जाते हैं और इस माह में सूर्य उत्तरायण रहता है। अतः माघ माह में दान, पुण्य आदि के कार्य किए जाने से सभी तरह के संकट मिटकर व्यक्ति सुख और समृद्धि पाता है। आओ जानते हैं कि माघमास में कौनसे 10 पुण्य के काम किए जाते हैं।

- **माघ स्नान**
इस मास में शीतल जल के भीतर डुबकी लगाने वाले मनुष्य पापमुक्त हो जाते हैं। संगम नहीं तो गंगा, गोदावरी, कावेरी, नर्मदा, कृष्णा, क्षिप्रा, सिंधु, सरस्वती, ब्रहमपुत्र आदि पवित्र नदियों में स्नान करना चाहिए।
- **दान**
माघ माह में कंबल, वस्त्र, तिल, अन्न, घी, नमक, गुड़, पांच तरह के अनाज, गाय आदि का दान करने से हजार गुना पुण्य की प्राप्ति होती है।
- **तिल का महत्व**
माघ कृष्ण द्वादशी को यम ने तिलों का निर्माण किया और दशरथ ने उन्हें पृथ्वी पर लाकर खेतों में बोया था। अतएव मनुष्यों को उस दिन उपवास रखकर तिलों का दान कर तिलों को ही खाना चाहिए।
- **व्रत**
माघ महीने की शुक्ल पंचमी से वसंत ऋतु का आरंभ होता है और तिल चतुर्थी, रथसप्तमी, भीष्माष्टमी आदि व्रत प्रारंभ होते हैं। माघ शुक्ल चतुर्थी को उमा चतुर्थी कहा जाता है। शुक्ल सप्तमी को व्रत का अनुष्ठान होता है। उक्त दिनों में व्रत रखने से सभी तरह के संकट दूर होकर पुण्य की प्राप्ति होती रहै।
- **विष्णु पूजा**
माघ माह में श्रीहरि भगवान विष्णु की माता लक्ष्मी के साथ पूजा करना चाहिए। इससे घर में सुख, शांति, धन और समृद्धि बनी रहती है। उपरोक्त बताए गए व्रतों में भगवान विष्णु की पूजा होती है।
- **कल्पवास**
माघ माह में कल्पवास का बहुत महत्व है। नदी के तट पर साधुओं के साथ कुटिया बनाकर कुछ विशेष दिनों तक रहने को कल्पवास कहते हैं। इससे सांसारिक और आध्यात्मिक उन्नति होती है।
- **सत्संग**
इस माह में संतों के साथ सत्संग करने और धर्म, कर्म की बातों को ग्रहण करने के बहुत महत्व होता है। इससे मन निर्मल होकर पुण्य की प्राप्ति होती है। सत्संग से धर्म का ज्ञान प्राप्त होता है। धर्म के ज्ञान से जीवन की बाधाओं से मुकाबला करने का समाधान मिलता है।
- **स्वाध्याय**
स्वाध्याय के दो अर्थ है। पहला स्वयं का अध्ययन करना और दूसरा धर्मग्रंथों का अध्ययन करना। आप स्वयं के ज्ञान, कर्म और व्यवहार की समीक्षा करते हुए पढ़ें, वह सब कुछ जिससे आपके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता हो साथ ही आपको इससे खुशी भी मिलती हो।
- **दीपदान**
माघ पूर्णिमा या किसी विशेष दिन पर नदी तट पर या नदी में दीपदान करने को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इससे देवी और देवता प्रसन्न होते हैं और पुण्य की प्राप्ति होती है।
- **तर्पण**
माघ माह में अमास्या और पूर्णिमा के दिन पितरों के निमित्त तर्पण करना चाहिए क्योंकि इस पवित्र माह में पितरों को मुक्ति मिलती है यह पुण्य का सबसे बड़ा कार्य है।

माघ माह के प्रारंभ होते ही मांगलिक कार्य प्रारंभ हो जाते हैं और इस माह में सूर्य उत्तरायण रहता है। अतः माघ माह में दान, पुण्य आदि के कार्य किए जाने से सभी तरह के संकट मिटकर व्यक्ति सुख और समृद्धि पाता है।

बीसीसीआई को सौरव गांगुली कहेंगे अलविदा, ये है वजह

एजेंसी, विराट कोहली ने टीम इंडिया की टेस्ट कप्तानी से इस्तिफा देकर विश्व क्रिकेट को हैरत में डाल दिया। विराट कोहली के फैंस उनके इस्तीफे के पीछे सौरव गांगुली का हाथ बता रहे हैं। इसीलिए कोहली के कप्तानी छोड़ने के बाद उनके फैंस ने सोशल मीडिया पर सौरव गांगुली पर जमकर निशाना साधा। कई फैंस ने उनसे बीसीसीआई के अध्यक्ष पद से इस्तीफे की मांग तक कर डाली। बीसीसीआई के अध्यक्ष पद से सौरव गांगुली का कार्यकाल अक्टूबर में खत्म हो जाएगा। उनके अलावा बीसीसीआई के सचिव जय शाह का भी कार्यकाल अक्टूबर में इसी साल खत्म हो जाएगा। सौरव गांगुली और जय शाह 2019 में बीसीसीआई के अध्यक्ष और सचिव बने थे। इससे पहले भी दोनों का कार्यकाल 2018 में खत्म हो गया था। लेकिन फिर बीसीसीआई ने कूलिंग ऑफ पीरियड नियम में संशोधन कर दोनों का कार्यकाल बढ़ाने की स्वीकृति दे दी। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि सौरव गांगुली बंगाल क्रिकेट संघ के संयुक्त सचिव और बाद में अध्यक्ष भी रह चुके थे। वहीं दूसरी ओर जय शाह भी गुजरात क्रिकेट संघ के सचिव रहे थे। अब देखना यह होगा कि इस साल अक्टूबर के बाद दोनों का कार्यकाल फिर आगे बढ़ाया जाएगा या नहीं। आपको बता दें कि बीसीसीआई के नए संविधान के मुताबिक कोई भी अगर राज्य संघ या बोर्ड में 6 साल से ज्यादा का कार्यकाल पूरा कर लेता है तो उसके बाद उसे 3 साल के कूलिंग ऑफ पीरियड पर जाना अनिवार्य है। साल 2019 में सौरव गांगुली और जय शाह के अपना पद ग्रहण किया तो उस वक्त उनके राज्य और राष्ट्रीय इकाई में 6 साल का समय पूरा होने में महज 9 महीने का वक्त ही बचा था। शीर्ष अदालत में एक याचिका में यह कहा गया कि बोर्ड ने 2 अगस्त 2018 से लागू कूलिंग ऑफपीरियड में जाने के नियम में संशोधन कर दिया है। इससे उसने अपने पदाधिकारियों के कार्यकाल को बढ़ाने की स्वीकृति दी है। वहीं, कुछ मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस साल अक्टूबर में सौरव गांगुली और जय शाह का कार्यकाल खत्म हो जाएगा और बीसीसीआई को एक नया अध्यक्ष मिल सकता है। इन दोनों के कार्यकाल में कई पूर्व भारतीय क्रिकेटरों को जिम्मेदारियां दी गई। राहुल द्रविड़ भारतीय टीम के मुख्य कोच बने तो वहीं राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी का कार्यभार वीवीएस लक्ष्मण ने संभाला।

सौरव गांगुली इस दौरान बड़े विवादों का हिस्सा भी बने। खास कर उनके और विराट के संबंधों पर भी खूब चर्चा हुई। आपको बता दें कि कोहली ने ज20 की कप्तानी छोड़ने को लेकर कहा था कि बोर्ड की तरफसे किसी तरह की बातचीत उनसे नहीं की गई थी। वहीं गांगुली ने इस मामले में कहा था कि कोहली ने टी20 की कप्तानी छोड़ने की गुजारिश की थी।

मुश्किल दौर ने मजबूत बनाया, लेकिन मन की स्पष्टता और शांतचित होना जरूरी था : धवन

भारतीय एकदिवसीय टीम में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी धवन की घरेलू क्रिकेट में खराब फॉर्म को लेकर काफी बातें की गयी लेकिन उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में 79 रन बनाकर शानदार वापसी की।

एजेंसी, पार्ल। भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन का मानना है कि उनके करियर के प्रत्येक मुश्किल दौर ने उन्हें मजबूत बनाया है, लेकिन अपने मन की स्पष्टता और शांतचित बने रहने से ही वह इस दौर से पार पाने में सफल रहे। भारतीय एकदिवसीय टीम में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी धवन की घरेलू क्रिकेट में खराब फॉर्म को लेकर काफी बातें की गयी लेकिन उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में 79 रन बनाकर शानदार वापसी की। भारत हालांकि इस मैच में हार गया था। धवन से मैच के बाद वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में पूछा गया कि वह स्वयं को नकारात्मकता से कैसे दूर रखते हैं, उन्होंने कहा, ''मैं मीडिया की नहीं सुनता, मैं समाचार पत्र नहीं पढ़ता और समाचार नहीं देखता। इस तरह से मुझे यह सब जानकारी नहीं मिलती।'' उन्होंने कहा, ''मुझे खुद पर पूरा भरोसा है कि मेरा खेल कैसा है इसको लेकर मेरी सोच स्पष्ट है। मैं शांतचित बने रहता हूं। यह जीवन का हिस्सा है, जीवन में ऐसा होता है। हर किसी के जीवन में उतार-चढ़ाव आते हैं, इसलिए इसमें कुछ भी नया नहीं है। मेरे करियर में पहली या आखिरी बार ऐसा नहीं हो रहा है। ऐसा होता है। यह मुझे मजबूत बनाता है।'' धवन ने दक्षिण अफ्रीकी दौरे पर जाने से पहले विजय हजारे ट्राफी के पांच मैचों में शून्य, 12, 14, 18 और 12 रन बनाये थे। लेकिन जब भी धवन को टीम से बाहर करने की बात उठी तब उन्होंने बड़ी पारी खेलकर आलोचकों का मुंह बंद किया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में भी उन्होंने टीम की तरफ से सर्वाधिक रन बनाये। धवन ने कहा, ''ऐसी बातें (टीम से बाहर करने की) हमेशा होती रहती हैं और मैं इनका आदी हूं। मैं केवल इतना जानता हूं कि मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है तथा यह सुनिश्चित करना है कि मेरी तैयारियां और प्रक्रिया अच्छी रहे। इसके बाद मैं बाकी चीजें भगवान पर छोड़ देता हूं।''उन्होंने कहा, ''मैं अपने अनुभव और आत्मविश्वास के कारण जानता था कि मैं अच्छा प्रदर्शन करूंगा और मुझे खुशी है कि मैंने आज अच्छी पारी खेली। मैं जब तक क्रिकेट खेल रहा हूं मुझे स्वस्थ और फिट रहना होगा और लगातार रन बनाने होंगे।'' धवन ने दक्षिण अफ्रीका से मिली 31 रन की हार के बारे में कहा कि इस विकेट पर रन बनाना आसान नहीं था क्योंकि वह धीमा था। उन्होंने कहा, ''हमने अच्छी शुरुआत की थी और मुझे लगता है कि विकेट धीमा था। यह थोड़ा सा टर्न भी दे रहा था। इसलिए जब आप लगभग 300 रन के लिये लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हो और मध्यक्रम के बल्लेबाज उतरते हैं तो उनके लिये शॉट खेलना आसान नहीं होता है।'' धवन ने कहा, ''हमने तेजी से विकेट गंवाये और इससे बल्लेबाजी इकाई के रूप में हम पर असर पड़ा।'' धवन का मानना है कि सीमित ओवरों की टीम के नियमित कप्तान रोहित शर्मा की वापसी के बाद टीम मजबूत होगी और मध्यक्रम भी अच्छी क्रिकेट खेलेगा। उन्होंने कहा, ''अभी रोहित टीम में नहीं है। जब वह वापसी करेंगे तो एक अनुभवी खिलाड़ी टीम में आएगा और मध्यक्रम (राहुल के मध्यक्रम में खेलने से) भी मजबूत होगा। जिन युवाओं को मौका मिल रहा है उन्हें अनुभव मिलेगा। हम इसे व्यापक तस्वीर के रूप में देख रहे हैं।

भारतीय स्पिनरों पर दबाव बनाने के लिये रिवर्स स्वीप खेलने का प्रयास किया : वान डर डुसेन

एजेंसी, पार्ल। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज रासी वान डर डुसेन खुश हैं कि उन्होंने अपने स्वीप शॉट का अच्छा नमूना पेश करके पहले एकदिवसीय मैच में भारतीय स्पिनरों की लय बिगाड़ने में भूमिका निभायी। वान डर डुसेन के नाबाद 129 रन और कप्तान तेम्बा बावुमा के साथ उनकी 204 रन की साझेदारी से दक्षिण अफ्रीका ने यह मैच 31 रन से जीता। वान डर डुसेन ने बुधवार को मैच समाप्त होने के बाद वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''जब मैंने क्रीज पर कदम रखा तब स्कोर तीन विकेट पर 68 रन था। गेंद थोड़ा टर्न ले रही थी और इसलिए मैं जानता था कि मुझे स्वीप शॉट खेलने होंगे। आम तौर पर यहां का विकेट काफी धीमा होता है। मैंने रिवर्स स्वीप खेलने का भी प्रयास किया। मैंने उन पर (भारतीय स्पिनरों) दबाव बनाने की कोशिश की।'' वान डर डुसेन ने इससे पहले टेस्ट श्रृंखला में आखिरी दो मैचों में लक्ष्य का पीछा करते हुए अहम योगदान दिया था जिससे निश्चित तौर पर उनका आत्मविश्वास बढ़ा। उन्होंने कहा, ''टेस्ट मैचों में दबाव की परिस्थितियों में दो बार लक्ष्य हासिल करने का मतलब था कि हम एक टीम के रूप में विश्वास से भरे थे। कुल मिलाकर यह बल्लेबाजों के लिये अच्छा दिन रहा।'' वान डर डुसेन ने युजवेंद्र चहल और रविचंद्रन अश्विन के खिलाफ अच्छी तरह से स्वीप शॉट खेले जिसका श्रेय उन्होंने नेट्स पर कड़े अभ्यास तथा धीमी गति के गेंदबाजों को खेलने के लिये अपने कौशल में निखार को दिया। उन्होंने कहा, ''पार्ल में परिस्थितियां आमतौर पर स्पिनरों और धीमी गेंदबाजों के अनुकूल होती हैं। जिस तरह से हमने वेस्टइंडीज में टी20 श्रृंखला से लेकर श्रीलंका में श्रृंखला और टी20 विश्व कप तक अपने खेल कौशल को निखारा उसका फायदा मिला।'' वान डर डुसेन ने

कहा, ''दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों को तेज गेंदबाजों पर हावी होने के लिये जाना जाता है लेकिन हमने स्पिनरों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के लिये लगातार कड़ी मेहनत की जिससे बहुत मदद मिली।

लिस्ट ए में कप्तानी किए बिना ओडीआई मैचों में भारत की अगुआई करने वाले तीसरे खिलाड़ी बने राहुल

एजेंसी, पार्ल । दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारत की कप्तानी कर रहे बल्लेबाज लोकेश राहुल 'लिस्ट ए' क्रिकेट में कप्तानी किए बिना 50 ओवर के प्रारूप में देश की अगुआई करने वाले सिर्फ तीसरे खिलाड़ी बने। इससे पहले विकेटकीपर बल्लेबाज सैयद किरमानी और आक्रामक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। नवनियुक्त कप्तान रोहित शर्मा के इस श्रृंखला के लिए पूरी तरह फिट नहीं होने के कारण राहुल को तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। चयनकर्ताओं ने इससे पहले विराट कोहली के टी20 टीम की कप्तानी छोड़ने के बाद उनकी जगह रोहित को सबसे छोटे प्रारूप के अलावा एकदिवसीय टीम का भी कप्तान बनाया था। कर्नाटक के बल्लेबाज राहुल अपने39वें एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारत की कप्तानी कर रहे हैं। देश के लिए 50 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने से पहले टीम की कप्तानी करने वाले पिछले खिलाड़ी मोहिंदर अमरनाथ थे जिन्होंने अक्टूबर 1984 में पहली बार टीम की अगुआई की थी। मोहिंदर ने जब पहली बार टीम की अगुआई की थी तो वह अपना 35वां एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेल रहे थे। दक्षिण अफ्रीका ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है और मध्य प्रदेश के आलराउंडर वेंकटेश अय्यर एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय पदार्पण कर रहे हैं।

साउथ अफ्रीका से मिली हार के बाद केएल राहुल की जमकर हुई आलोचना

सोशल मीडिया पर भड़के भारतीय प्रशंसक

एजेंसी, केपटाउन। साउथ अफ्रीका के खिलाफखेली जा रही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के पहले मुकाबले में भारतीय टीम को 31 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। इसी के साथ ही साउथ अफ्रीका सीरीज में 1-0 से आगे हो गई। दूसरा एकदिवसीय मुकाबला भी बोलैंड पार्क में ही खेला जाना है, जो शुक्रवार को होगा। ऐसे में भारतीय टीम के करो या मरो वाली स्थिति होगी। पहले एकदिवसीय मुकाबले में भारतीय टीम का मध्यक्रम लड़खड़ा गया, जिसके बाद टीम संभल नहीं पाई। हालांकि लॉर्ड शार्दुल ठाकुर ने ऑलराउंडर प्रदर्शन दिखाते हुए नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली। वान डेर डुसेन ने 96 गेंद में नाबाद 129 और कप्तान तेंबा बावुमा के 143 गेंद में 110 रनों की बदौलत साउथ अफ्रीकी टीम ने 4 विकेट गंवाकर 296 रन बनाए और भारतीय टीम के सामने 297 रन का लक्ष्य रखा। जिसका पीछा करते हुए भारतीय टीम ने केएल राहुल के तौर पर अपना पहला विकेट 46 रन पर ही गंवा दिया। इसके बाद शिखर धवन और विराट कोहली के बीच 92 रन की पार्टनरशिप हुई। लेकिन फिर धवन और कोहली के पवेलियन लौटने के बाद पूरा मध्यक्रम लड़खड़ा गया और भारतीय टीम संभल नहीं पाई। रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में केएल राहुल को टीम की कमान सौंपी गई थी और यह बतौर कप्तान उनका पहला मुकाबला था। ऐसे में भारतीय टीम को मिली हार के बाद प्रशंसकों ने केएल राहुल को निशाना बनाते हुए उनकी जमकर आलोचना की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर यूजर ने लिखा कि केएल राहुल असली पनौती हैं। दिवेश नामक यूजर ने लिखा कि पूत के पांव पालने में ही दिखते हैं। पहले मैच में हार से आहत भारत को अगर तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला को जीवंत बनाये रखना है तो उसके बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा जिसमें केएल राहुल की कप्तानी की भी परख होगी। राहुल पहले मैच में कप्तान के रूप में नाकाम रहे और अब जबकि उन्हें टेस्ट कप्तानी के दावेदारों में शामिल किया जा रहा है तब इस श्रृंखला में उनके लिये काफी कुछ दांव पर लगा होगा। भारतीय बल्लेबाजों ने भी पहले मैच में निराशाजनक प्रदर्शन किया जिससे टीम को 31 रन से हार का सामना करना पड़ा। जब विराट कोहली कप्तान थे तभी से मध्यक्रम का प्रदर्शन भारत के लिये चिंता का विषय बना हुआ है जिसका समाधान अभी तक नहीं खोजा जा सका है। सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने अर्धशतक जमाकर अच्छी वापसी की। उन्होंने कोहली के साथ मिलकर भारत की उम्मीद जगायी लेकिन यह साझेदारी टूटते ही धीमी पिच पर भारतीय मध्यक्रम बिखर गया। दक्षिण अफ्रीका कौशल और रणनीति दोनों मामलों में भारत से अव्वल रहा और ऐसे में राहुल ने कप्तान के रूप में निराश किया। सबसे अहम सवाल यह है कि अगर वेंकटेश अय्यर से गेंदबाजी नहीं करवानी थी तो वह टीम में क्या कर रहे थे। जब युजवेंद्र चहल और शार्दुल ठाकुर पर रासी वान डर डुसेन और तेम्बा बावुमा हावी होकर खेल रहे थे तब वेंकटेश का उपयोग छठे गेंदबाज के रूप में क्यों नहीं किया गया। यदि वेंकटेश नंबर छह पर एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में खेल रहे हैं तो सूर्यकुमार यादव को अंतिम एकादश में क्यों न शामिल किया जाए जो अनुभवी हैं और दबाव में बेहतर बल्लेबाजी करते हैं। एक और सवाल यह उठता है कि क्या राहुल ने तब चहल या रविचंद्रन अश्विन से बात की जब वान डर डुसेन और बावुमा ने स्वीप शॉट खेलने शुरू किये थे। राहुल ने गेंदबाजी में भी ऐसे बदलाव नहीं किये जिससे लगे कि वह रणनीतिक रूप से कुशल हैं। इसके विपरीत दक्षिण अफ्रीका ने एडेन मार्कराम से गेंदबाजी की शुरुआत करायी और वह भारतीय कप्तान को आउट करने में सफल रहे। इसके बाद जब भारत बल्लेबाजी कर रहा था तो धवन और कोहली के आउट होने के बाद उसकी हार सुनिश्चित हो गयी थी। अचानक ही जो पिच बल्लेबाजी के लिये आसान दिख रही थी वह मुश्किल बन गयी। श्रेयस अय्यर का शार्ट पिच गेंदों के खिलाफ संघर्ष जारी रहा। उन्हें समझना चाहिए कि भारतीय एकादश में जगह बनाना आसान नहीं हैं और इस तरह से मौका नहीं गंवाया जा सकता है। इस पिच पर स्ट्राइक रोटेट करना जरूरी है। ऐसे में ऋषभ पंत और दोनों अय्यर की भूमिका अहम होगी। पहले मैच में इन तीनों ने निराश किया। उन्हें अपनी जिम्मेदारी समझने की जरूरत है। शार्दुल ठाकुर ने ऐसे समय में अर्धशतक जमाया जबकि भारत की हार तय हो गयी थी और किसी तरह का दबाव नहीं था। उनका आकलन हालांकि गेंदबाजी से किया जाएगा जो उनका मुख्य काम है। गेंदबाजी में ठाकुर नाकाम रहे। उन्होंने 10 ओवर 72 रन लुटाये जिससे टीम को नुकसान हुआ। भुवनेश्वर कुमार ने भी वापसी पर निराश किया। दोनों टीमों के बीच स्पिनरों ने भी अंतर पैदा किया। अश्विन और चहल ने 20 ओवरों में 106 रन दिये और एक विकेट लिया। दक्षिण अफ्रीका की तरफसे मार्कराम, तबरेज शम्सी और केशव महाराज ने 26 ओवर किये, 126 रन दिये और चार विकेट लिये भारतीय स्पिनरों को अगले मैच में बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है। अब दोनों मैचों में राहुल की कप्तानी पर सबकी नजर रहेगी। सीमित ओवरों की तुलना में टेस्ट कप्तानी अधिक चुनौतीपूर्ण होती है और इन मैचों का प्रदर्शन राहुल की दावेदारी के खिलाफ जा सकता है। टीम इस प्रकार हैं रू भारत- केएल राहुल (कप्तान), जसप्रीत बुमराह, शिखर धवन, रुतुराज गायकवाड़, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, वेंकटेश अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), युजवेंद्र चहल, आर अश्विन , भुवनेश्वर कुमार, दीपक चाहर, प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, जयंत यादव, नवदीप सैनी। दक्षिण अफ्रीकारू तेम्बा बावुमा (कप्तान), केशव महाराज, क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), जुबैर हमजा, मार्को जानसेन, जानेमन मलान, सिसांडा मगला, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, वायने पर्नेल, एंडिले फेलुकवायो, ड्वेन प्रिटोरियस, कागिसो रबाडा, तबरेज शम्सी, रासी वान डर डुसेन, काइल वेरेने।

केएल राहुल को अगर टेस्ट मैच की कप्तानी चाहिए तो जीतनी होगी साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज

एजेंसी, केपटाउन। साउथ अफ्रीका के खिलाफखेली जा रही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के पहले मुकाबले में भारतीय टीम को 31 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। इसी के साथ ही साउथ अफ्रीका सीरीज में 1-0 से आगे हो गई। दूसरा एकदिवसीय मुकाबला भी बोलैंड पार्क में ही खेला जाना है, जो शुक्रवार को होगा। ऐसे में भारतीय टीम के करो या मरो वाली स्थिति होगी। पहले एकदिवसीय मुकाबले में भारतीय टीम का मध्यक्रम लड़खड़ा गया, जिसके बाद टीम संभल नहीं पाई। हालांकि लॉर्ड शार्दुल ठाकुर ने ऑलराउंडर प्रदर्शन दिखाते हुए नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली। वान डेर डुसेन ने 96 गेंद में नाबाद 129 और कप्तान तेंबा बावुमा के 143 गेंद में 110 रनों की बदौलत साउथ अफ्रीकी टीम ने 4 विकेट गंवाकर 296 रन बनाए और भारतीय टीम के सामने 297 रन का लक्ष्य रखा। जिसका पीछा करते हुए भारतीय टीम ने केएल राहुल के तौर पर अपना पहला विकेट 46 रन पर ही गंवा दिया। इसके बाद शिखर धवन और विराट कोहली के बीच 92 रन की पार्टनरशिप हुई। लेकिन फिर धवन और कोहली के पवेलियन लौटने के बाद पूरा मध्यक्रम लड़खड़ा गया और भारतीय टीम संभल नहीं पाई। रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में केएल राहुल को टीम की कमान सौंपी गई थी और यह बतौर कप्तान उनका पहला मुकाबला था। ऐसे में भारतीय टीम को मिली हार के बाद प्रशंसकों ने केएल राहुल को निशाना बनाते हुए उनकी जमकर आलोचना की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर यूजर ने लिखा कि केएल राहुल असली पनौती हैं। दिवेश नामक यूजर ने लिखा कि पूत के पांव पालने में ही दिखते हैं। पहले मैच में हार से आहत भारत को अगर तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला को जीवंत बनाये रखना है तो उसके बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा जिसमें केएल राहुल की कप्तानी की भी परख होगी। राहुल पहले मैच में कप्तान के रूप में नाकाम रहे और अब जबकि उन्हें टेस्ट कप्तानी के दावेदारों में शामिल किया जा रहा है तब इस श्रृंखला में उनके लिये काफी कुछ दांव पर लगा होगा। भारतीय बल्लेबाजों ने भी पहले मैच में निराशाजनक प्रदर्शन किया जिससे टीम को 31 रन से हार का सामना करना पड़ा। जब विराट कोहली कप्तान थे तभी से मध्यक्रम का प्रदर्शन भारत के लिये चिंता का विषय बना हुआ है जिसका समाधान अभी तक नहीं खोजा जा सका है। सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने अर्धशतक जमाकर अच्छी वापसी की। उन्होंने कोहली के साथ मिलकर भारत की उम्मीद जगायी लेकिन यह साझेदारी टूटते ही धीमी पिच पर भारतीय मध्यक्रम बिखर गया। दक्षिण अफ्रीका कौशल और रणनीति दोनों मामलों में भारत से अव्वल रहा और ऐसे में राहुल ने कप्तान के रूप में निराश किया। सबसे अहम सवाल यह है कि अगर वेंकटेश अय्यर से गेंदबाजी नहीं करवानी थी तो वह टीम में क्या कर रहे थे। जब युजवेंद्र चहल और शार्दुल ठाकुर पर रासी वान डर डुसेन और तेम्बा बावुमा हावी होकर खेल रहे थे तब वेंकटेश का उपयोग छठे गेंदबाज के रूप में क्यों नहीं किया गया। यदि वेंकटेश नंबर छह पर एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में खेल रहे हैं तो सूर्यकुमार यादव को अंतिम एकादश में क्यों न शामिल किया जाए जो अनुभवी हैं और दबाव में बेहतर बल्लेबाजी करते हैं। एक और सवाल यह उठता है कि क्या राहुल ने तब चहल या रविचंद्रन अश्विन से बात की जब वान डर डुसेन और बावुमा ने स्वीप शॉट खेलने शुरू किये थे। राहुल ने गेंदबाजी में भी ऐसे बदलाव नहीं किये जिससे लगे कि वह रणनीतिक रूप से कुशल हैं। इसके विपरीत दक्षिण अफ्रीका ने एडेन मार्कराम से गेंदबाजी की शुरुआत करायी और वह भारतीय कप्तान को आउट करने में सफल रहे। इसके बाद जब भारत बल्लेबाजी कर रहा था तो धवन और कोहली के आउट होने के बाद उसकी हार सुनिश्चित हो गयी थी। अचानक ही जो पिच बल्लेबाजी के लिये आसान दिख रही थी वह मुश्किल बन गयी। श्रेयस अय्यर का शार्ट पिच गेंदों के खिलाफ संघर्ष जारी रहा। उन्हें समझना चाहिए कि भारतीय एकादश में जगह बनाना आसान नहीं हैं और इस तरह से मौका नहीं गंवाया जा सकता है। इस पिच पर स्ट्राइक रोटेट करना जरूरी है। ऐसे में ऋषभ पंत और दोनों अय्यर की भूमिका अहम होगी। पहले मैच में इन तीनों ने निराश किया। उन्हें अपनी जिम्मेदारी समझने की जरूरत है। शार्दुल ठाकुर ने ऐसे समय में अर्धशतक जमाया जबकि भारत की हार तय हो गयी थी और किसी तरह का दबाव नहीं था। उनका आकलन हालांकि गेंदबाजी से किया जाएगा जो उनका मुख्य काम है। गेंदबाजी में ठाकुर नाकाम रहे। उन्होंने 10 ओवर 72 रन लुटाये जिससे टीम को नुकसान हुआ। भुवनेश्वर कुमार ने भी वापसी पर निराश किया। दोनों टीमों के बीच स्पिनरों ने भी अंतर पैदा किया। अश्विन और चहल ने 20 ओवरों में 106 रन दिये और एक विकेट लिया। दक्षिण अफ्रीका की तरफसे मार्कराम, तबरेज शम्सी और केशव महाराज ने 26 ओवर किये, 126 रन दिये और चार विकेट लिये भारतीय स्पिनरों को अगले मैच में बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है। अब दोनों मैचों में राहुल की कप्तानी पर सबकी नजर रहेगी। सीमित ओवरों की तुलना में टेस्ट कप्तानी अधिक चुनौतीपूर्ण होती है और इन मैचों का प्रदर्शन राहुल की दावेदारी के खिलाफ जा सकता है। टीम इस प्रकार हैं रू भारत- केएल राहुल (कप्तान), जसप्रीत बुमराह, शिखर धवन, रुतुराज गायकवाड़, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, वेंकटेश अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), युजवेंद्र चहल, आर अश्विन , भुवनेश्वर कुमार, दीपक चाहर, प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, जयंत यादव, नवदीप सैनी। दक्षिण अफ्रीकारू तेम्बा बावुमा (कप्तान), केशव महाराज, क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), जुबैर हमजा, मार्को जानसेन, जानेमन मलान, सिसांडा मगला, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, वायने पर्नेल, एंडिले फेलुकवायो, ड्वेन प्रिटोरियस, कागिसो रबाडा, तबरेज शम्सी, रासी वान डर डुसेन, काइल वेरेने।